राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,11 नवेम्बर-2021 वर्ष-4,अंक-288 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी के अधिकतर इलाकों में हवा हुई जानलेवा, दिल्ली, पंजाब और बिहार में पहले से सुधार

नई दिल्ली। उत्तर भारत के राज्यों में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। हालांकि यदि पिछले दो दिनों के मुकाबले यदि देखा जाए तो इसमें कुछ गिरावट जरूर दर्ज की गई है। इसके बाद भी बुधवार सुबह आठ बजे एक्यूआई का स्तर अधिकतर शहरों में खराब से गंभीर स्तर पर ही रिकार्ड किया गया है। दिल्ली के विभिन्न इलाकों में सुबह से ही एक्यूआई लेवल गंभीर से बेहद खराब स्तर पर रिकार्ड किया गया है। सेंट्रल पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के ताजा आंकड़ों के मुताबिक आज सुबह आठ बजे दिल्ली के आनंद विहार के इलाके में एक्यूआई लेवल 438 दर्ज किया गया है। इसी तरह से जहांगीरपुरी में 433, बवाना में 405, सीआरआरआई मथुरा रोड का भी एक्यूआई लेवल 371, चांदनी चौक 363, आईजीआई एयरपोर्ट 353, इभास दिलशाद गार्डन 363, आईटीओ 379, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम 372 दर्ज किया गया है।

इसी तरह से दिल्ली से सटे हरियाणा में अंबाला में एक्यूआई का स्तर 234 दर्ज किया गया है, जो खराब स्तर माना जाता है। बहादुरगढ़ में 321, भिवानी में 338, चरखी दादरी 332, बल्लभगढ़ 366, फरीदाबाद 375-445, गुरुग्राम 313-367, पानीपत 389, जिंद में 399 रिकार्ड किया गया।

उत्तर प्रदेश की बात करें तो यहां के अधिकतर इलाकों में हवा का प्रदूषण स्तर काफी अधिक रहा। आगरा में ही अलग अलग जगहों पर इसका स्तर 357 से 457 के बीच रिकार्ड किया गया। बागपत में 404, बुलंदशहर में 401, फिरोजाबाद में 430, गाजियाबाद 411-453 के बीच, हापुड़ 409, नेहरू नगर कानपुर में 363-463, लखनऊ 169-352, ग्रेटर नोयडा में 365-400, मेरठ 344-379, व्रंदावन में 382, नोयडा में 372-392 तक एक्यूआई का स्तर रिकार्ड किया गया है।

पूरे देश में छठ महापर्व की धूम, राष्ट्रपति कोविंद, गृह मंत्री शाह समेत कई नेताओं ने दी शुभकामनाएं

चार दिनों तक चलने वाले छठ पूजा में सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा होती है। छठ के पर्व में उगते हुए और डूबते हुए सूर्य दोनों को अर्घ्य दिया जाता है। आज सभी लोग एक दूसरे को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दे रहे हैं।

नई दिल्ली। लोग आस्था के महापर्व छठ में आज डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देते हुए छठी मैया की पूजा आराधना की जाएगी। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व मुख्य रूप से उत्तर भारत के राज्यों में मनाया जाता है। इसे खासतौर पर बिहार, झारखंड और पूर्वी भारत में बहुत ही उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया जाता है। अब इस पर्व की महत्ता केवल भारत तक ही सीमित नहीं है बल्कि विदेशों में भी इस महापर्व को बड़े धूमधाम ने मनाया जाता है। चार दिनों तक चलने वाले छठ पूजा में सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा होती है। छठ के पर्व में उगते हुए और डूबते हुए सूर्य दोनों को अर्घ्य दिया जाता है। आज सभी लोग एक दूसरे को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दे रहे हैं।

राष्ट्रपति ने देशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दी

इस क्रम में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ट्वीट कर देशवासियों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने लिखा,

अब इस पर्व की महत्ता केवल भारत तक ही सीमित नहीं है

'छठ पूजा के शुभ अवसर पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं। यह पर्व प्रकृति, विशेषकर सूर्य व जल पर हमारी निर्भरता को स्वीकारने का भी अवसर है। मेरी कामना है कि यह त्योहार हमारी सांस्कृतिक विरासत को सबल बनाने के साथ-साथ पर्यावरण-संरक्षण के हमारे प्रयासों को भी सुदृढ़ बनाए।'

छठ पर्वों में प्रकृति की छवि दिखती-वेंकैया नायुडू

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायुडू ने ट्वीट कर कहा, 'छठ के पावन अवसर पर श्रद्धालु देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। हमारे पर्वों में प्रकृति की छवि दिखती है। यह नदियों की पवित्रता का पर्व है, सूर्य की दिव्यता का पर्व है, अर्घ्य में समर्पित खाद्यान्न की सात्विकता का पर्व है। प्रकृति में हमारी आस्था का पर्व है।'

सूर्यदेव सभी के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करें- गृहमंत्री अमित शाह

गृहमंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर कहा, समस्त देशवासियों को सूर्य आराधना के महापर्व छठ पूजाकी हार्दिक शुभकामनाएं। सूर्यदेव सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और नई ऊर्जा का संचार करें। जय छठी मैया!

भारतीय कोरोना वैक्सीन का दुनिया ने माना लोहा

96 देशों ने दी कोवॉक्सिन और कोविशील्ड को मान्यता

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ भारतीय हथियारों का लोहा धीरे-धीरे दुनिया के तमाम देश मामने लगे हैं। भारत में बनी कोवॉक्सिन और कोविशील्ड को अब तक दुनिया के 96 देश मान्यता दे चुके हैं। इन दोनों टीकों को विश्व स्थास्थ्य संगठन ने आपातकालीन उपयोग सूची में शामिल किया है। इसके बाद भारतीय टीकों को मान्यता देने वाले देशों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है।

आठ टीकों में दो भारत के

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अब तक आठ कोविड-19 टीकों को मान्यता दी। यह गर्व की बात है कि इसमें दो टीके भारत के शामिल हैं। कोवॉक्सिन को जहां भारत बायोटेक ने बताया है तो कोविशील्ड का उत्पदान सीरम इंस्टीट्यूट ने किया है।

बड़े-बड़े देशों की भी मान्यता

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि भारत के दोनों टीकों को मान्यता देने वाले देशों में कनाडा, अमेरिका,

ऑस्ट्रेलिया, यूके, जर्मनी, फ्रांस, रूस, बेल्जियम और स्विट्जरलैंड जैसे देश भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि देश में अब तब 109 करोड़ से अधिक लोगों को कोरोना वैक्सीन की दोनों खुराक लगाई जा चुकी हैं।

बारिश से बुरा हाल, लोगों का जीना मुहाल, इन राज्यों में भी जमकर बरसेंगे बादल

चेन्नई। तमिलनाडु में भारी बारिश की वजह से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। राज्य में आज भी भारी बारिश की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग ने बताया कि तमिलनाडु, पुडुचेरी और करईकल में भारी से अति भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही तटीय आंध्र प्रदेश और यानम और रायलसीमा और केरल और माहे में भी भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि नौ नवंबर को सुबह से शुरू होकर रात 9.30 बजे तक कराईक्कल में लगभग 20 सेंटीमीटर और नागपट्टिनम में लगभग 15 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई और ऐसे क्षेत्रों में बारिश जारी रह सकती है।

इन राज्यों में भी जमकर बरसेंगे बादल-विभाग के अनुसार, तटीय आंध्र प्रदेश और यानम और रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और करईकल, केरल और माहे और लक्षद्वीप में गरज के साथ बिजली के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश

के कुछ हिस्सों में अगले पांच दिनों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। विभाग ने बताया है कि उत्तर पश्चिम भारत और उससे सटे मध्य भारत के ज्यादातर हिस्सों में अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में खास बदलाव नहीं आएगा। इसके बाद न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हो सकती है।

राज्य में दो दिन का अवकाश घोषित-तमिलनाडु सरकार ने मौसम के पूर्वानुमान के मद्देनजर नौ जिलों- चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर, चेंगलपट्टू, कुड्डालोर, नागपट्टिनम, तंजावुर, तिरुवरूर और मयिलादुथुराई में 10 और 11 नवंबर को स्थानीय अवकाश घोषित किया है। राज्य में भारी बारिश को देखते हुए राज्यपाल आर एन रवि ने तमिलनाडु के लोगों से अगले कुछ दिनों में भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा भारी बारिश के अनुमान के मद्देनजर सतर्क रहने और एहतियाती उपाय करने का आग्रह किया है।मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्व में और पड़ोसी दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके प्रभाव से बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्व और आसपास के हिस्से में अगले 12 घंटे में कम दबाव का क्षेत्र बनने की आशंका है।

केंद्र सरकार घर-घर राशन पहुंचाने की योजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट के 27 सितंबर के उस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है जिसमें दिल्ली सरकार की घर-घर राशन पहुंचाने की योजना के क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त हुआ था। जस्टिस एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अनुरोध पर मंगलवार की सुनवाई को टाल दिया। सॉलिसिटर जनरल ने पीठ से सुनवाई कल तक के लिए स्थगित करने का अनुरोध किया लेकिन दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने बुधवार के लिए कुछ व्यक्तिगत कठिनाई का हवाला

दिया। इस पर पीठ ने मामले को 12 नवंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया। सिंघवी के अनुरोध पर जस्टिस राव ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'मैं कठिनाई को समझता हूं। डॉक्टर सिंघवी कल अदालत में नहीं रहना चाहते हैं।' दरअसल जस्टिस राव का इशारा इस ओर था कि सिंघवी फिजिकल कोर्ट से बचना चाह रहे हैं।

विदेशी चंदा पाना नहीं है मौलिक अधिकार, हो सकते हैं विनाशकारी परिणाम, एससी में बोला केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि विदेशी चंदा प्राप्त करने का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है और अगर इसे विनियमित नहीं किया गया तो इसके 'विनाशकारी परिणाम' हो सकते हैं।

'विदेशी अंशदान (विनियमन) कानून (एफसीआरए)- 2010' में किए गए संशोधनों का बचाव करते हुए सरकार ने न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि बदलाव का उद्देश्य अनुपालन तंत्र को सुव्यवस्थित करना और पारदर्शिता तथा जवाबदेही बढ़ाना है।' सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया, 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि विदेशी अंशदान प्राप्त करने का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं है और

'विदेशी अंशदान (विनियमन) कानून (एफसीआरए)- 2010' में किए गए संशोधनों का बचाव करते हुए सरकार ने न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि बदलाव का उद्देश्य अनुपालन तंत्र को सुव्यवस्थित करना और पारदर्शिता तथा जवाबदेही बढ़ाना है।'

इसे विनियमित किया जाना है।'

मेहता ने पीठ से कहा कि खुफिया ब्यूरो (आईबी) से मिली सूचना के मुताबिक ऐसे उदाहरण हैं कि विदेशी योगदान से प्राप्त कुछ धन का दुरुपयोग नक्सलियों के प्रशिक्षण के लिए किया गया है। पीठ ने इस मामले की कई याचिकाओं पर अपनी सुनवाई पूरी कर ली है।

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत हमेशा विदेशी चंदा के बारे में बहुत जागरूक रहा है और इस तरह के वित्तपोषण के किसी भी दुरुपयोग से बचने के लिए एक नीति रही है। मेहता ने कहा कि प्रत्येक विदेशी अंशदान केवल एफसीआरए खाते के रूप में नामित खाते में प्राप्त किया जाएगा, जो कि नई दिल्ली में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की मुख्य शाखा में खोला जाएगा। उन्होंने इस मामले में केंद्र द्वारा शीर्ष अदालत में दाखिल हलफनामे का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि प्रक्रिया के आधार पर एसबीआई, नई दिल्ली की मुख्य शाखा में 19,000 से अधिक खाते पहले ही खोले जा चुके हैं। शीर्ष अदालत ने फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि केंद्र और याचिकाकर्ताओं की ओर से एक सप्ताह के भीतर लिखित दलीलें दाखिल की जाएं। इससे पहले अदालत में दाखिल अपने हलफनामे में केंद्र ने कहा था कि बिना किसी नियमन के 'बेलगाम विदेशी चंदा' प्राप्त करना कोई मौलिक अधिकार नहीं है।

सेना की जरूरतों की नहीं की जा सकती अनदेखी, सुप्रीम कोर्ट बोला- सीमा पर बेहतर सड़कों की जरूरत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारत-चीन सीमा गतिरोध का जिक्र करते हुए मंगलवार को आश्चर्य जताया कि क्या कोई संवैधानिक अदालत देश की रक्षा के लिए सेना की आवश्यकता को दरकिनार कर कह सकती है कि पर्यावरण की सुरक्षा, रक्षा जरूरतों से ज्यादा अहम है। उधर सरकार ने अपनी बात मजबूती से रखते हुए कहा कि दुश्मन की तैयारियों को देखते हुए हमें भी हर तरह से तैयार रहने की जरूरत है। हमारी सेना को सीमा तक शीघ्रता से से पहुंचने के लिए बेहतर सड़कों की जरूरत है। हम 1962 की तरह सोये हुए नहीं रह सकते। मामले में सुनवाई बेनतीजा रही और बुधवार को भी जारी रहेगी।

कोर्ट ने कहा कि वह इस तथ्य की अनदेखी नहीं कर सकता कि देश के शत्रु ने सीमा तक बुनियादी ढांचा विकसित कर लिया है। हमारी सेना को सीमा तक बेहतर सड़कों की जरूरत है जहां 1962 के युद्ध के बाद से कोई व्यापक परिवर्तन नहीं हुआ है। कोर्ट आठ सितंबर, 2020 के आदेश में संशोधन के अनुरोध वाली केंद्र की याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को महत्वाकांक्षी चारधाम राजमार्ग परियोजना पर 2018 के परिपत्र का पालन करने के लिए कहा गया है।

यह सड़क चीन सीमा तक जाती है। इस रणनीतिक 900 किलोमीटर की परियोजना का मकसद उत्तराखंड के चार पवित्र तीर्थों-यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ को हर मौसम में चालू रहने वाली सड़क सुविधा प्रदान करना है। दिन भर चली सुनवाई के दौरान जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि वह इस तथ्य से इन्कार नहीं कर सकती कि उत्तराखंड में चीन की सीमा तक जाने वाली रणनीतिक %फीडर% सड़कों के उन्नयन की जरूरत है। पीठ ने कहा कि हम इस तथ्य से इन्कार नहीं कर सकते कि इतनी ऊंचाई पर देश की सुरक्षा दांव पर है।

पीठ ने कहा कि सतत विकास होना चाहिए और इसे पर्यावरण के साथ संतुलित किया जाना चाहिए क्योंकि अदालत इस तथ्य से अनजान नहीं है कि इन सड़कों को 'अपग्रेड' करने की जरूरत है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि मैं पर्वतारोहण के लिए कई बार हिमालय गया हूं। मैंने उन सड़कों को देखा है। ये सड़कें ऐसी हैं कि कोई भी दो वाहन एक साथ नहीं गुजर सकते हैं.. ये सड़कें ऐसी हैं कि उन्हें सेना के भारी वाहनों की आवाजाही के लिए उन्नयन की आवश्यकता है।

1962 के युद्ध के बाद से कोई व्यापक परिवर्तन नहीं हुआ है। पीठ ने याचिकाकर्ता एनजीओ के वकील से कहा कि सरकार पहाड़ में आठ-लेन या 12-लेन का राजमार्ग बनाने के लिए अनुमति नहीं मांग रही है, बल्कि केवल दो-लेन का राजमार्ग बनाने की मांग कर रही है। पीठ ने याचिकाकर्ताओं से सीमा के दूसरी ओर विकास की किसी भी आधिकारिक या अनौपचारिक रिपोर्ट की मांग करते हुए कहा कि हमारा एक दुश्मन है जिसने अपने बुनियादी ढांचे को पूरी तरह से विकसित किया है। हमें इस पर गौर करना होगा।

शुरुआत में, केंद्र की ओर से पेश अटार्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने कहा, सीमा के दूसरी तरफ जबरदस्त निर्माण हुआ है। उन्होंने बुनियादी ढांचे को तैयार किया है और हवाई पट्टियों, हेलीपैड, सड़कों, रेलवे लाइन नेटवर्क का निर्माण किया है जो इस धारणा पर आगे बढ़े हैं कि वे वहां स्थायी रूप से रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि ये रणनीतिक फीडर सड़कें जो भारत-चीन सीमा को देहरादून और मेरठ में सेना के शिविरों से जोड़ती हैं जहां मिसाइल ठिकाने स्थित हैं। सेना को अपनी भारी मशीनरी, टैंक और तोपखाने को स्थानांतरित करने के लिए बेहतर सड़कों की जरूरत है।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जांच पर आंच

पिछले माह उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा की जांच को लेकर यूं तो पहले से ही शीर्ष अदालत शंका जता रही थी, लेकिन उसके बावजूद उसने उत्तर प्रदेश को मामले में जांच करने का मौका दिया था। इस मौके को अपनी छवि सुधारने के अवसर में बदलने से यूपी पुलिस चूकी है। सोमवार को इस मामले की जांच प्रक्रिया और पुलिस की भूमिका को लेकर शीर्ष अदालत ने गंभीर सवाल उठाये हैं। यह आम धारणा थी कि जब मामले का मुख्य अभियुक्त केंद्रीय गृह राज्य मंत्री का बेटा है तो उनके मातहत उत्तर प्रदेश पुलिस मामले की निष्पक्षता से जांच कर पायेगी? यही वजह है कि प्रदेश सरकार द्वारा दायर स्थिति रिपोर्ट में जांच की स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट ने निराशा जतायी है। अदालत पुलिस द्वारा उठाये कदमों तथा जांच के तौर-तरीकों से संतुष्ट नजर नहीं आई। स्टेटस रिपोर्ट की खामियों से निराश कोर्ट को यह निष्कर्ष निकालने में देरी नहीं हुई कि उत्तर प्रदेश पुलिस के बूते भरोसेमंद व पारदर्शी जांच संभव नहीं है। ऐसी जांच में राजनीतिक हस्तक्षेप की गुंजाइश को महसूस करते हुए ही शीर्ष अदालत ने इस मामले की पड़ताल की सिफारिश गृह मंत्रालय के अधीन आने वाली केंद्रीय जांच एजेंसियों के लिये भी नहीं की। विगत में शीर्ष अदालत सीबीआई को पिंजरे के तोते की संज्ञा भी दे चुकी है। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने मामले की जांच को राज्य से बाहर के किसी अवकाश प्राप्त न्यायाधीश की देखरेख में कराने का फैसला किया, जो अंतिम रिपोर्ट तैयार करने तक जांच पर लगातार निगरानी रखेंगे। यह इस बात का परिचायक है कि कोर्ट को प्रदेश के राजनीतिक हालात व उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्यशैली पर भरोसा नहीं बन पाया है। कह सकते हैं कि पुलिस अदालत का भरोसा हासिल करने में नाकामयाब रही है। लखीमपुर खीरी की हिंसा और इसके बाद पुलिस की कार्रवाई करने में हीलाहवाली ने ऐसे हालात बनाने में नकारात्मक भूमिका निभाई है। कह सकते हैं कि शीर्ष अदालत ने यूपी पुलिस पर सवालिया निशान लगाती टिप्पणी की है। घटनाक्रम से जाहिर है कि शीर्ष अदालत की मंशा है कि हिंसा का सच सामने आये। यही वजह है कि कोर्ट प्रारंभ से ही इस मामले पर पैनी नजर रखे हुए है और उत्तर प्रदेश पुलिस व सरकार को लेकर गाहे-बगाहे उसकी सख्त टिप्पणियां सामने आई हैं। जाहिर-सी बात है कि एक लोकतांत्रिक देश में अपने अधिकारों के लिये प्रदर्शन करते लोगों को सत्ता मद में कुचलना एक बड़ा अपराध है और इसके पीछे का सच जानना पूरे देश का हक है। उल्लेखनीय कि इस घटना में चार किसानों समेत आठ लोग मारे गये थे, जिसमें एक स्थानीय पत्रकार भी था। वैसे अदालत ने अन्य लोगों की मौत की जांच के मामले में अलग से कार्रवाई के निर्देश दिये थे। जाहिर है शीर्ष अदालत को लगता है कि मामले की जांच उतनी पारदर्शिता व तेजी से नहीं हो रही है, जो शीघ्र इस घटना के कारणों को न्यायपूर्ण ढंग से उजागर कर सके। गवाहों की स्थिति और अब तक की पड़ताल से भी अदालत संतुष्ट नजर नहीं आई। पुलिस द्वारा दी जाने वाली नयी जानकारी के साथ जब शुक्रवार को मामले की फिर सुनवाई होगी तो कुछ नये तथ्य सामने आएंगे। पुलिस पर भी दबाव होगा कि वे शीर्ष अदालत को अपनी कार्रवाई के प्रति संतुष्ट करा सकें। देश के लोग खासकर किसान न्याय की उम्मीद लगाये बैठे हैं कि प्रदर्शनकारियों पर गाड़ी चढ़ाने वाले दोषी सामने आएं और उन्हें सख्त सजा मिले।

दिवाली ही नहीं, वर्षभर करें प्रदूषण घटाने की चिंता

– योगेश कुमार गोयल

पहले से ही प्रदूषण की खतरनाक स्थिति के मद्देनजर पटाखों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की धज्जियां उड़ाते हुए दिल्ली-एनसीआर में इस साल भी जिस प्रकार लोगों ने जमकर पटाखे चलाए, उससे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) कई इलाकों में गंभीर स्तर से भी अधिक 480 तक पहुंच गया। पटाखों के कारण दिवाली के अगले दिन प्रदूषण का स्तर 2017 से 2020 तक जहां क्रमशः 403, 390, 368, 435 था, वहीं इस वर्ष यह सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए 462 के पार जा पहुंचा और प्रदूषण के भयानक स्तर के कारण उत्तर भारत के कई शहर धुंध की मोटी चादर में लिपटे रहे।। यही नहीं, फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले जिन महीन कणों पीएम 2.5 की सुरक्षित दर 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर निर्धारित है, उनकी औसत सांद्रता भी इससे करीब सात गुना यानी 430 तक पहुंच गई। दीवाली के अगले दिन पीएम 10 का स्तर भी 558 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। स्थिति को विकराल बनाने में खेतों में जलती पराली भी खतरनाक भूमिका निभा रही है। हाल ही में नासा द्वारा जारी आंकड़े देखें तो हरियाणा में पराली जलने की 9-16 सितम्बर तक कुल 9, 1 अक्तूबर को 35 और 5 नवम्बर को 500 घटनाएं देखी गई, वहीं पंजाब में 19-21 सितम्बर के बीच 50, 1 अक्तूबर को 255 घटनाएं देखी गई लेकिन दिवाली के अगले दिन 5 नवम्बर को पंजाब में पराली जलने की करीब 6000 घटनाओं ने तो पटाखों के विषैले धुएं के साथ मिलकर प्रदूषण को खतरनाक स्तर पर पहुंचा दिया। वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में चले जाने के कारण लोगों को गले में जलन तथा आंखों में पानी आने की परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी उन लोगों को है, जिनके फेफड़े कोरोना के कारण पहले ही काफी कमजोर हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार आम धारणा है कि प्रदूषण के कारण श्वांस संबंधी परेशानियां ज्यादा होती हैं लेकिन विभिन्न शोधों में स्पष्ट हो चुका है कि प्रदूषण के सूक्ष्म कण हमारे मस्तिष्क की सोचने-समझने की क्षमता को भी प्रभावित करते हैं। मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के संबंध में यह खुलासा भी हो चुका है कि इससे पुरुषों के वीर्य में शुक्राणुओं की संख्या में 40 फीसदी तक गिरावट दर्ज की गई है, जिससे नपुंसकता का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। मेदांता के चेयरमैन डॉ. नरेश त्रेहन का कहना है कि जहरीली होती हवा से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ेगा। बड़ों की तुलना में बच्चे प्रदूषण से ज्यादा प्रभावित होते हैं। दरअसल प्रदूषण के कण जब सतह तक पहुंच जाते हैं तो सबसे ज्यादा बच्चे ही उनके संपर्क में आते हैं। ऐसे बच्चे, जो सामान्य दिनों में श्वसन संक्रमण की चपेट में आ जाते हैं, उनमें प्रदूषण के कारण संक्रमण का स्तर काफी बढ़ जाता है। प्रदूषण के कारण बच्चों में एकाग्रता की कमी, चिड़चिड़ापन इत्यादि परेशानियां भी देखने को मिलती हैं, इसके अलावा प्रदूषण बच्चों की लंबाई कम होने का भी एक अहम कारण बन रहा है। दिल्ली और आसपास के इलाकों के अलावा देश के अन्य हिस्सों की वायु गुणवत्ता भी बेहद खराब हो गई है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली के अलावा देश के 19 शहर गंभीर प्रदूषण की चपेट में हैं, जिनमें से अधिकांश उत्तर भारत के हैं। कुछ लोग अदालतों के हर फैसले में कमियां ढूंढ़ते हैं, दिवाली पर आतिशबाजी पर प्रतिबंध संबंधी अदालत के फैसले का भी धार्मिक परंपराओं में अदालती हस्तक्षेप का मामला बताकर जमकर विरोध किया गया और काफी हद तक उसी का परिणाम रहा कि इस वर्ष देश के लगभग तमाम हिस्सों में जबरदस्त आतिशबाजी हुई। ऐसे अदालती फैसलों का विरोध करते समय हम भूल जाते हैं कि दिवाली तो पटाखों की शुरुआत होने के सदियों पहले से ही मनाई जाती रही है। वैसे भी देखा जाए तो सरकारें और देश की तमाम जिम्मेदार संस्थाएं देश को प्रदूषण के कहर से बचाने में नाकारा साबित हो रहे हैं। दिल्ली में सभी तरह के पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध होने के बावजूद खूब पटाखे चले, कहीं कोई किसी को रोकने वाला नहीं था। इसी प्रकार हरियाणा में भी सरकार द्वारा कई जिलों में पटाखों पर प्रतिबंध लगाया गया था लेकिन पुलिस-प्रशासन की नाक तले या यूं कहें कि उन्हीं के संरक्षण में पर्यावरण के लिए जानलेवा हर तरह के पटाखे खुलेआम बिके। तमाम चेतावनियों और दिशा-निर्देशों के बावजूद अब दिल्ली की रात और उसके बाद प्रदूषण का स्तर इतना खतरनाक हो जाता है कि ऐसा लगने लगता है, मानो किसी संक्रामक बीमारी ने हमला बोल दिया हो। ऐसे में अगर लोगों के स्वास्थ्य के मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय ऐसे कठोर फैसले लेने पर विवश होता है तो इसमें गलत क्या है। ऐसे फैसलों को धर्म और आस्था की चाशनी में घोलकर देखने के बजाय अगर अदालत के ऐसे फैसलों की सदाशयता को समझें और उन्हें व्यावहारिक बनाने में अपने-अपने स्तर पर प्रयास करें तो यह स्वास्थ्य के लिहाज से न केवल दूसरों के बल्कि स्वयं अपने हित में भी होगा। पटाखों में हरी रोशनी के लिए बैरियम का उपयोग किया जाता है, जो रेडियोधर्मी तथा विषैला होता है जबकि नीली रोशनी के लिए कॉपर के यौगिक का इस्तेमाल होता है, जिससे कैंसर का खतरा होता है और पीली रोशनी के लिए गंधक इस्तेमाल किया जाता है, जिससे सांस की बीमारियां जन्म लेती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार पटाखों के फूटने के करीब 100 घंटे बाद तक हानिकारक रसायन वातावरण में घुले रह सकते हैं। पटाखों के धुएं में सल्फर डाईऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोक्साइड, ऐस्बेस्टॉस के अलावा विषैली गैसों के रासायनिक तत्व भी पाए जाते हैं, जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए भी अनुकूल परिस्थितियां पैदा करते हैं। बारूद और रसायनयुक्त पटाखों के जहरीले धुएं से श्वांस संबंधी रोग, कफ, सिरदर्द, आंखों में जलन, एलर्जी, उच्च रक्तचाप, दिल का दौरा, एम्फिसिया, ब्रोंकाइटिस, न्यूमोनिया, अनिद्रा सहित कैंसर जैसी असाध्य बीमारियां फैल रही हैं। पटाखों के शोर और प्रदूषण से दुधारू पशुओं में एडरलीन हार्मोन कम हो जाता है, जिसका उनके दूध देने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पटाखे तैयार करते समय ध्वनि, प्रकाश व धुआं उत्पन्न करने वाले जिन तत्वों का प्रयोग किया जाता है, उनमें 75 प्रतिशत शोरा अथवा बारूद, 10 प्रतिशत गंधक और 15 प्रतिशत कोयला होता है। पटाखों की कानफोडू आवाज से कानों के पर्दे फटने तथा बहरेपन जैसी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। जहरीले पटाखों के कारण बैक्टीरिया तथा वायरस संक्रमण की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। एम्स निदेशक डा. रणदीप गुलेरिया ने तो चेतावनी भरे लहजे में कहा भी है कि बढ़ते प्रदूषण से देश में कोरोना के मामले बढ़ सकते हैं। पहले से ही खेतों में जलती पराली, विकास के नाम पर अनियोजित व अनियंत्रित निर्माण कार्यों के चलते बिगड़ते हालात, मोटरगाड़ियों और औद्योगिक इकाइयों के कारण बेहद प्रदूषित हो रहे वातावरण के भयावह खतरों का तो हम ठीक से सामना भी नहीं कर पा रहे हैं और ऊपर से एक रात का यह जश्न हमारी इन समस्याओं को और भी भयानक रूप दे जाता है। हालांकि पर्यावरण तथा प्रदूषण नियंत्रण के मामले में देश में पहले से ही कई कानून लागू हैं लेकिन उनकी पालना कराने के मामले में सरकारी संस्थाओं में सदैव उदासीनता का माहौल देखा जाता रहा है। न केवल दिल्ली में बल्कि देशभर में वायु, जल तथा ध्वनि प्रदूषण का खतरा मंडरा रहा है।

नेताओं की भी हो कोई लक्ष्मण रेखा

लक्ष्मीकांता चावला

जनता को जानना चाहिए कि उनके जनप्रतिनिधियों को कई विशेष अधिकार मिलते हैं। अगर कोई सरकारी अधिकारी उनको पूरा मान-सम्मान न दे या उनका उचित-अनुचित आदेश न माने तो उसे जनप्रतिनिधि की मानहानि मानकर विधानसभा या संसद के स्पीकर के समक्ष शिकायत की जा सकती है। स्पीकर महोदय बड़े से बड़े अधिकारी को बुलाकर डांट भी सकते हैं, दंड भी दिलवा सकते हैं। शायद इसीलिए जनप्रतिनिधियों का अपने अधिकारों के प्रति विवेकहीन दुराग्रह बन गया है। हाल ही में गुरदासपुर जिले के एक विधायक ने उस व्यक्ति को बुरी तरह थप्पड़ जड़ दिए, जिसने अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए अपने विधायक से यह पूछा था कि उनके क्षेत्र में आज तक क्या विकास किया गया। विधायक ने उत्तर थप्पड़ और घूंसे से दिया। ऐसे ही जब मामले की खूब चर्चा हुई, विधायक की निंदा हुई तो स्वांग रचा गया कि प्रश्न करने वाले युवक की शब्दावली अशिष्ट थी। विडंबना कि उस युवक ने माफी मांगी। कुछ समय पहले इंदौर के एक सत्तापति राजनेता ने जो बाद में विधायक भी बना, एक इंजीनियर को क्रिकेट के बैट से पीट दिया। थोड़ी-सी नाक बचाने के लिए केंद्रीय नेतृत्व में उसे एक कारण बताओ नोटिस दिया, पर वह राजनीति के बड़े खिलाड़ी का बेटा था। फिर उसके बेटे को पार्टी से निकालने या दंड देने का साहस किसी ने न किया।ऐसी ही दुर्घटना महाराष्ट्र में भी हुई। वहां भी सत्तापतियों के हाथों एक वरिष्ठ अधिकारी पीटा गया। उसके मुंह पर कीचड़ ही पोत दिया। आखिर क्या अधिकार केवल उनके ही हैं, जिनको अधिकार आम जनता ने दिया। विधायकों और सांसदों को सत्तापति बनाने के लिए जिन्होंने मतदान किया, दुख-सुख में संरक्षण के लिए अपना प्रतिनिधि बनाया, वही इतने उद्दंड हो जाएं कि जब चाहें, जिसे चाहें अपनी सत्ता के नशे में पीट दें, अपमानित करें या मुंह पर कीचड़ या कालिख पोत दें। डराने और धमकाने में भी हमारे जनप्रतिनिधि अनेकशः सभी सीमाएं लांघ जाते हैं। अभी-अभी हरियाणा से एक सांसद ने तो नेताओं का घेराव करने वाले किसानों को यह धमकी भी दे दी कि उनकी आंखें निकाल देंगे। हाथ तोड़ देंगे। बहुत से मतदाता पूछते हैं कि अगर नेताजी चार या उससे ज्यादा निर्वाचन क्षेत्रों से वोट ले सकते हैं तो हम एक से ज्यादा स्थानों पर वोट क्यों नहीं डाल सकते। इसका उत्तर मिलना भी नहीं, मिला भी नहीं। अगर निष्पक्ष ढंग से सोचा जाए तो जो नेता एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ता है और सभी जगहों से विजयी होने के बाद त्यागपत्र देता है तो वहां पुनः चुनाव करवाने का खर्च सरकार पर क्यों डाला जाए। नियम तो यह होना चाहिए कि वह सारा खर्च वही विधायक या सांसद दे, जिसने एक से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ा और पुनः चुनाव करवाने की स्थिति के लिये मजबूर किया। सवाल है कि जहां न नेता का वोट है और न उसे उस क्षेत्र की कोई जानकारी है, वहां से चुनाव कैसे लड़ सकता है? आज तक कोई भी सरकार या चुनाव आयोग यह नियम नहीं बना सका कि जनता का प्रतिनिधि चुनाव जीतने के बाद अपने चुनाव क्षेत्र में ही रहे, जिससे जनता की सुख-सुविधाओं का ध्यान रख सके, उनकी कठिनाइयां दूर कर सके। हमारे देश के सैकड़ों ऐसे विधायक व सांसद हैं जो चुनाव जीतने के बाद अपने क्षेत्र से लगभग गायब रहते हैं। वे जानते हैं कि शायद ही वे इस क्षेत्र में चुनाव की मार्केट में दोबारा उतरें अन्यथा जिस पार्टी को उनकी जरूरत होगी वे स्वयं ही कोई सुरक्षित क्षेत्र चुनाव लड़ने के लिए दे देगी। जनता ठगी-ठगी सी रह जाती है। चुनावों में टिकट देने वाले जानते हैं कि यह पैराशूटी उम्मीदवार जनता के लिए नहीं चुने, अपितु संसद

या विधानसभा में हाथ खड़े करने के लिए चुने हैं। सर्वविदित है कि बहुत से जनप्रतिनिधि पंचायत से लेकर संसद तक जनता से दूर रहते हैं। विधानसभाओं और संसद में कभी उन्होंने जनता के हित के लिए मुंह नहीं खोला। बहुत से तो शायद यह भी नहीं जानते होंगे कि काल अटेंशन और स्थगन प्रस्ताव कैसे बनाए, दिए और पेश किए जाते हैं। सदन में उनकी उपस्थिति भी कम रहती है। एक कालेज विद्यार्थी को 75 प्रतिशत उपस्थिति देना आवश्यक है अन्यथा परीक्षा के लिए अयोग्य माना जाता है, पर इनकी उपस्थिति पांच प्रतिशत भी रहे तो ये माननीय सांसद व विधायक हैं। पूरा वेतन भत्ता लेते हैं। इनसे प्रश्न करने वाला कोई नहीं, क्योंकि ये जनता बेचारी के वोट लेकर वीआईपी हो गए। इसलिए अगर लोकतंत्र को स्वस्थ बनाना है तो जनता को भी ऐसे चुनावी उम्मीदवारों का विरोध करना चाहिए जो फसली बटेरे ज्यादा हैं, जनप्रतिनिधि नहीं। जो चार-चार सीटों पर चुनाव लड़ते हैं और कभी भी अपने चुनाव क्षेत्र से वफादारी नहीं निभाते। जनता को चाहिए कि जागरूक होकर ऐसे चुनावी खिलाड़ियों को नकार दे जो जनप्रतिनिधि बनने के लिए नहीं, अपितु माननीय और वीआईपी बनने के लिए चुनाव लड़ते हैं।

मकसद

श्रीराम शर्मा आचार्य

परिस्थितियों की अनुकूलता की प्रतिज्ञा करते-करते असल मकसद दूर पड़ा रह जाता है। हमें जीवन में जो कष्ट है, जो हमारा लक्ष्य है, उसे हम परिस्थिति के प्रपंच में पड़ कर विस्मृत कर रहे हैं। होना यह चाहिए था कि परिस्थितियों के तकाजों की उपेक्षा करके भी अपने जीवन के महत्तर मकसदों का स्मरण रखते। निरंतर सत्प्रयासों द्वारा उसको हासिल करने की दिशा में चेष्टारत होते। पर नहीं। मैं पूछता हूं; यदि आपके पास कीमती फाउंटेन पेन नहीं है, बढ़िया कागज और फर्नीचर नहीं है, तो क्या आप कुछ न लिखेंगे? यदि उत्तम वस्त्र नहीं हैं तो क्या उन्नति नहीं करेंगे? यदि घर में बच्चों ने चीजें अस्त-व्यस्त कर दी हैं या झाडू नहीं लगा है, तो क्या आप क्रोध में अपनी शक्तियों का अपव्यय करेंगे? यदि आपकी पत्नी के पास उत्तम आभूषण नहीं हैं तो क्या वे असुंदर कहलायेंगी या घरेलू शांति भंग करेंगी? यदि आपके घर के इर्द-गिर्द शोर होता है, तो क्या आप कुछ भी न करेंगे? यदि सब्जी, भोजन, दूध इत्यादि ऊंचे स्टैन्डर्ड का नहीं बना है, तो क्या आप बच्चों की तरह आवेश में भर जायेंगे? नहीं। आपको ऐसा कदापि न करना चाहिए। परिस्थितियां मनुष्य के अपने हाथ की बात है। मन के सामर्थ्य एवं आंतरिक स्वावलम्बन द्वारा हम उन्हें विनिर्मित करने वाले हैं। हम जैसा चाहें जब चाहें सदैव कर सकते हैं। कोई भी अड़चन हमारे मार्ग में नहीं आ सकती। मन की आंतरिक सामर्थ्य के सम्मुख प्रतिकूलता बाधक नहीं हो सकती। सदा जीतने वाला पुरु षार्थी वह है जो सामर्थ्य के अनुसार परिस्थितियों को बदलता है। किंतु यदि वे बदलती नहीं तो स्वयं अपने आपको उन्हीं के अनुसार बदल लेता है। कठिन से कठिन परिस्थितियों में उसकी मन- शांति और दिमागी संतुलन स्थिर रहता है। विषम परिस्थितियों के साथ वह अपने आपको समायोजित करता चलता है। निराश न होइए यदि आपके पास बढ़िया मकान, उत्तम वस्त्र, टीपटाप, ऐर्य इत्यादि वस्तुएं नहीं हैं। इनका अभाव बना हुआ है। आपको विश्वास करना चाहिए कि ये आपकी उन्नति में बाधक नहीं हैं। उन्नति की मूल वस्तु-महत्त्वाकांक्षा है। न जाने मन के किस अतल गह्वर में यह अमूल्य सम्पदा लिपटी पड़ी हो किंतु आप गह्वर में हैं अवश्य। आत्म-परीक्षा कीजिये और इसे खोजकर निकालिये। प्रतिकूल परिस्थितियों से परेशान न होकर उनके अनुकूल बनिये और फिर धीरे-धीरे उन्हें बदल डालिये।

सू-दोकू नवताल -1957

	1			9				
	8		2				5	
4		2			6			1
	4	1		8				9
				7				
3				1		8	7	
5			1			3		2
	9				7		1	
				3			4	

सू-दोकू 1956 का हल

7	6	2	4	5	9	1	3	8
4	1	8	7	3	6	9	5	2
9	5	3	8	1	2	7	6	4
8	7	9	2	4	5	6	1	3
3	2	6	1	7	8	5	4	9
5	4	1	6	9	3	8	2	7
6	3	4	9	8	1	2	7	5
2	9	7	5	6	4	3	8	1
1	8	5	3	2	7	4	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।
आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 1957

1		2	■	3	4	5	■	6	
	■	7		■	8		9		■
10	11		■	12		■	13		■
■		■	14		■	15		■	16
17		18	■	19		■	20	21	
	■		■		■	22	■		■
■	23		24	■	25				
26		■	27			■	■		■
	■	■		■	28		29	■	30
31			■	32		■	33		

बायें से दायें:-

1. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-3
3. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-3
6. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-2
7. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-2
8. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-4
10. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-3
12. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-2
13. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-2
14. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-2
15. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-2
17. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-3
19. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-2
20. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-3
23. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-3
25. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-2,1,2
26. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-2
27. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-3
28. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-3
31. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-3
32. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-2
33. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-3
2. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
4. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-3
5. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-2
6. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-3
9. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-4
11. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-3
12. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-4
16. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-2
17. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-2
18. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-3
21. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-4
22. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-2
23. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-2
24. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-3
25. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-2,2
26. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-3
29. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-2
30. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-1956

चा	ल	बा	ज	■	चा	ला	क	■	जा
ह	■	रि	■	आ	ह	■	र्ज	■	ल
त	ला	श	■	र	त	न	■	प्या	सा
■	वा	■	रा	जू	■	ज	ख्म	■	ज
रा	■	तु	म	■	जो	र	■	ना	■
म	स्ती	■	क	ह	र	■	अ	स्ति	त्व
अ	■	जीं	स	■	दा	वा	■	क	■
व	क्त	■	म	द	र	■	दा	■	अं
ता	■	हे	■	र्द	■	फि	दा	■	जा
र	ह	मा	न	■	रो	जा	■	धू	म

एयर इंडिया के विमान की सिलचर में इमरजेंसी लैंडिंग

सलचर (असम)। कोलकाता जाने वाली एयर इंडिया की एक फ्लाइट में 144 यात्री सवार थे, जिसे बुधवार को असम के सिलचर हवाईअड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद आपात स्थिति में उतारना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एएआई के एक अधिकारी ने कहा, उड़ान भरने के तुरंत बाद, विमान के पायलट को तकनीकी खराबी का पता चला और वह सिलचर हवाई अड्डे पर लौट आया और सुरक्षित लैंडिंग की। एएआई के एक बयान में कहा गया है कि एयरलाइनों को निर्देश दिया गया था कि वे टिकटों को आसानी से रद्द और पुनर्निर्धारण सुनिश्चित करें और यात्रियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करें।

नस्ल व धर्म से जुड़े सभी संवेदनशील विज्ञापनों को हटाएंगी फेसबुक और इंस्टाग्राम

सैन फ्रांसिस्को। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने घोषणा की है कि वह 19 जनवरी, 2022 से स्वास्थ्य, नस्ल या जातीयता, राजनीतिक संबद्धता, धर्म या यौन अभिविन्यास से संबंधित विकल्पों को लक्षित करने वाले संवेदनशील विज्ञापनों को हटा देगी। कंपनी ने एक बयान में कहा, 19 जनवरी 2022 से हम उन विस्तृत लक्ष्यीकरण विकल्पों को हटा देंगे जो उन विषयों से संबंधित हैं जिन्हें लोग संवेदनशील समझ सकते हैं। जैसे कि स्वास्थ्य, जातीयता, राजनीतिक, धर्म से संबंधित कारणों, संगठनों या सार्वजनिक आंकड़ों का संदर्भ देने वाले विकल्प हटा देंगे। मेटा ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि उसने सितंबर में भारत में फेसबुक और इंस्टाग्राम पर 30 मिलियन से अधिक सामग्रियों को हटा दिया है, क्योंकि इसे यूजर्स डेटा गोपनीयता पर गहन सुरक्षा का सामना करना पड़ता है। सोशल नेटवर्क ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) नियम, 2021 के अनुपालन में फेसबुक के लिए 10 नीतियों में 26.9 मिलियन सामग्री और इंस्टाग्राम के लिए 9 नीतियों में 3.2 मिलियन से अधिक सामग्रियों पर काम किया है। प्रवक्ता ने कहा, आईटी नियमों के अनुसार, हमने 30 दिनों (01 सितंबर से 30 सितंबर) की अवधि के लिए अपनी चौथी मासिक अनुपालन रिपोर्ट प्रकाशित की है।

माइक्रोसॉफ्ट ने की कम बजट वाले लैपटॉप एसई की घोषणा

सैन फ्रांसिस्को। माइक्रोसॉफ्ट ने विंडोज 11 एसई लैपटॉप पेश किया है, जिसे विशेष रूप से शैक्षिक उद्देश्य के लिए डिजाइन किया गया है। नया विंडोज 11 वर्जन माइक्रोसॉफ्ट के लेटेस्ट ओएस रिलीज का एक नया वर्जन है, जिसे शैक्षिक बाजार के लिए अनुकूलित किया गया है। विंडोज 11 एसई वर्ड, पॉवरपॉइंट, एक्सेल, वननोट और वनड्राइव सहित माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के साथ प्री-लोडेड आता है, जिसे माइक्रोसॉफ्ट 365 लाइसेंस के हिस्से के रूप में ऑफलाइन भी इस्तेमाल किया जा सकता है। विंडोज 11 एसई शिक्षा बाजार के लिए केवल नए उपकरणों पर प्रीलोडेड उपलब्ध होगा। यह मौजूदा उपकरणों के लिए उपलब्ध नहीं होगा या उपयोगकर्ताओं को किसी अन्य डिवाइस पर स्थापित करने के लिए अलग से उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। एसर, आसुस, डेल, डायनाबूक, फुजित्सु, एचपी, लेनोवो और अन्य पीसी निर्माताओं सहित विभिन्न ओईएम भी अपने स्वयं के विंडोज 11 एसई पीसी को रोल आउट करेंगे। इस बीच, सरफेस लैपटॉप एसई 249.99 डॉलर से शुरू होगा, यह माइक्रोसॉफ्ट का अब तक का सबसे सस्ता डिवाइस होगा। सरफेस लैपटॉप एसई में 16¬9 11.6-इंच 1366एक्स768 टीएफटी डिस्प्ले, एक इंटेल सेलेरोन एन4020 और एन4120, 4जीबी प्लस 8जीबी रैम और 64जीबी प्लस 128जीबी इएमएमसी स्टोरेज है।

पेट्रोल, डीजल पर उत्पाद शुल्क कटौती मुद्रास्फीति की दृष्टि से सकारात्मक : गवर्नर

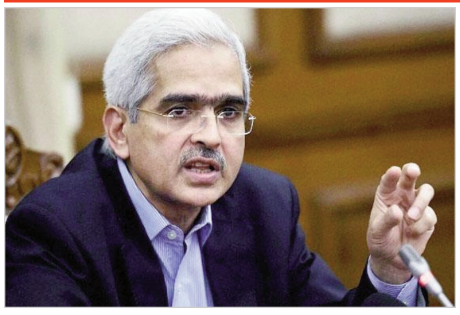

मुंबई (एजेंसी):

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती करने का केंद्र सरकार का फैसला मुद्रास्फीति के नजरिए से बेहद सकारात्मक कदम है। दास ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति अब नियंत्रण में आ चुकी है लेकिन मुख्य मुद्रास्फीति अभी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। दास ने कहा, ''पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क को कम करना मुद्रास्फीति के लिए बेहद सकारात्मक कदम है।'' उन्होंने कहा कि भारत में मुद्रास्फीति मुख्य रूप से आपूर्ति पक्ष से जुड़े कारकों की वजह से है और सरकार ने इसे काबू में करने के लिए कदम उठाए हैं। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा, ''आपूर्ति पक्ष से जुड़े कारकों खासकर दालों एवं खाद्य तेलों पर सरकार ने ध्यान दिया है। और हाल ही में पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद शुल्क भी कम किया गया है। मुद्रास्फीति के लिहाज से ये सभी अच्छे संकेत हैं।'' उन्होंने कहा, ''मोटे तौर पर खाद्य मुद्रास्फीति अब नियंत्रण में दिख रही है।'' हालांकि, उन्होंने कहा कि अभी भी मुख्य मुद्रास्फीति ऊंचे स्तर पर बनी हुई है और यह एक नीतिगत चुनौती है।

उन्होंने कहा, ''हम मुख्य मुद्रास्फीति की प्रगति पर बेहद करीबी निगाह रखे हुए हैं।'' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ईंधन मुद्रास्फीति भी अभी ऊंचे स्तर पर है जिस पर आरबीआई की निगरानी बनी हुई है।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा का सितंबर तिमाही का शुद्ध लाभ 24 प्रतिशत बढ़कर 2,088 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली, बैंक ऑफ बड़ौदा (बॉब) का शुद्ध लाभ 30 सितंबर, 2021 को समाप्त तिमाही में 24 प्रतिशत बढ़कर 2,088 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले की इसी तिमाही में यह 1,679 करोड़ रुपये था। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने बुधवार को शेयर बाजार को भेजी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसकी कुल आय घटकर 20,270.74 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 20,729.31 करोड़ रुपये थी। बैंक की चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में ब्याज आय भी 6.33 प्रतिशत घटकर 16,692 करोड़ रुपये रह गई। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 17,820 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा 30 सितंबर, 2021 को समाप्त तिमाही में बैंक की गैर-ब्याज आय 23 प्रतिशत बढ़कर 3,579 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले की इसी तिमाही में यह 2,910 करोड़ रुपये थी। आलोच्य तिमाही में बैंक की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर 8.11 प्रतिशत रह गईं, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 9.14 प्रतिशत थीं।

भारत दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनने की राह पर: वित्त मंत्रालय

(एजेंसी):

वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में कहा गया कि जरूरी वृहद और सूक्ष्म वृद्धि जैसे कारकों के सहारे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। मंत्रालय द्वारा तैयार की गई मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार, तेज टीकाकरण और त्योहारी सीजन भारतीय अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार को गति देंगे और इसके चलते मांग-आपूर्ति के बीच का अंतर कम होगा तथा रोजगार के ज्यादा अवसरों का सृजन होगा। इसमें कहा गया है, ÷प्रमुख संरचनात्मक सुधारों को समाहित करते हुए आत्मनिर्भर भारत मिशन, व्यापार के अवसरों के संकेत और खर्च करने वाले चैनलों के विस्तार के माध्यम से, देश के आर्थिक पुनरुद्धार को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। समीक्षा में कहा गया, ÷जरूरी वृहद और सूक्ष्म वृद्धि चालकों के साथ यह दौर भारत के निवेश चक्र को रफ्तार देने और दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में उसके पुनरुद्धार को गति देने के लिए तैयार है।÷ इस साल जनवरी में जारी आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 में मार्च 2022 में समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष के दौरान 11 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया गया था।

भारत सरकार से फेसबुक यूजर्स डेटा अनुरोध 2021 में बढ़े : मेटा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मेटा को 2021 की पहली छमाही में उपयोगकर्ता डेटा प्रदान करने के लिए 45,275 अनुरोधों के साथ भारत एक बार फिर अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर रहा है। सोशल नेटवर्क ने भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय और सूचना प्रौद्योगिकी के निर्देशों के जवाब में 442 वस्तुओं तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया। प्रतिबंधित पहुंच सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 69ए के उल्लंघन के कारण है, जिसमें राज्य की सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के खिलाफ सामग्री शामिल है। मेटा ने कहा, हमने भारत के चुनाव आयोग से प्राप्त रिपोर्टों के जवाब में 22 वस्तुओं तक पहुंच प्रतिबंधित कर दी है। इसके अतिरिक्त, हमने अन्य वैध अदालती आदेशों के जवाब में 65 वस्तुओं तक और मानहानि की निजी रिपोर्टें के जवाब में छह वस्तुओं तक पहुंच प्रतिबंधित कर दी है। जनवरी-जून 2021 से, फेसबुक को भारत सरकार से कुल 45,275 अनुरोध (कानूनी/आपातकाल) प्राप्त हुए। पहले जुलाई-दिसंबर 2020 की अवधि में, भारत सरकार से कुल अनुरोध 40,300 थे। मेटा को सूचित किया गया कि भारत सरकार ने फेसबुक से 68,485 उपयोगकर्ताओं का डेटा प्रदान करने का भी अनुरोध किया, जिनमें से 51 प्रतिशत अनुरोधों को पूरा किया गया।

मेटा ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि सोशल नेटवर्क ने सितंबर में भारत में फेसबुक और इंस्टाग्राम पर 30 मिलियन से अधिक सामग्रियों को

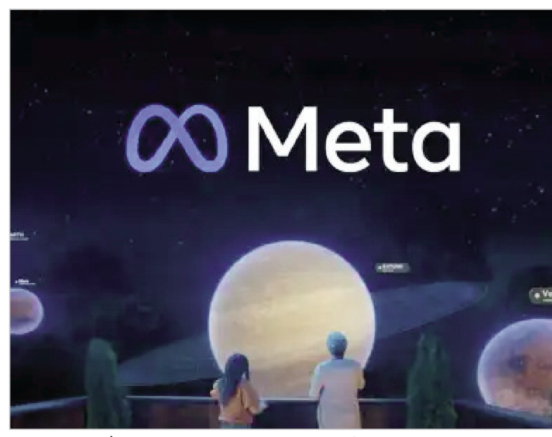

हटा दिया है। कंपनी ने कहा, सोशल नेटवर्क ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के अनुपालन में फेसबुक के लिए 10 नीतियों के तहत 26.9 मिलियन सामग्रियों और इंस्टाग्राम के लिए 9 नीतियों में 3.2 मिलियन से अधिक सामग्रियों पर काम किया।वैश्विक स्तर पर, 2021 के पहले छह महीनों के दौरान, यूजर्स डेटा के लिए सरकारी अनुरोध 10.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1,91,013 से बढ़कर 2,11,055 हो गए हैं।

पेटीएम का आईपीओ अब तक 1.33 गुना ओवर सब्सक्राइब हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के अग्रणी डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवा प्लेटफॉर्म पेटीएम के आईपीओ को अब उसकी बोली के तीसरे दिन पूरी तरह से सब्सक्राइब कर लिया गया है। कंपनी अब भारत के सबसे बड़े स्टॉक मार्केट डेब्यू के रूप में सूचीबद्ध होने के लिए तैयार है। एक्सचेंज पर दोपहर 1.47 बजे उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पेटीएम आईपीओ को अब तक 1.33 गुना सब्सक्राइब किया गया है, जिसमें क्यूआईबी किस्त 1.88एक्स सब्सक्राइब किया गया है। उपलब्ध 4,83,89,422 शेयरों के विपरीत कुल 6,41,16,546 पेटीएम शेयरों के लिए बोली लगाई गई है। पहले दिन, पेटीएम के आईपीओ ने पिछले एक दशक में 1,000 करोड़ रुपये से अधिक के खुदरा आकार वाले आईपीओ के लिए अब तक का सबसे अधिक खुदरा प्रतिशत सब्सक्रिप्शन हासिल किया था, जिसे बाद में दूसरे दिन की शुरुआत में ओवर सब्सक्राइब किया गया था। घरेलू वित्तीय संस्थानों (बैंकों/वित्तीय संस्थानों/बीमा कंपनियों) ने भी तीसरे दिन अपनी बोली लगाई है। जैसा कि अपेक्षित था, क्यूआईबी ने आईपीओ बोली/प्रस्ताव के अंतिम दिन अपने आदेश दे दिए हैं। विश्लेषक भी आईपीओ पर अपना दांव लगा रहे हैं।

केनरा बैंक सिक्योरिटीज के विश्लेषकों ने कहा कि पेटीएम आईपीओ के लिए लंबी अवधि के लिए सदस्यता लें। यह उपभोक्ताओं और व्यापारियों के लिए भारत का अग्रणी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र है। यह अपने भुगतान ऐप के माध्यम से भुगतान, वाणिज्य, क्लाउड और वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है। इंटरनेट और स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं में उच्च पैठ ने आकर्षक उपयोगकर्ता के कारण कंपनी को तेज गति से बढ़ने का समर्थन किया है। पेटीएम ऐप द्वारा इंटरफेस। साल 2009 में मोबाइल वॉलेट के रूप में शुरू हुए पेटीएम ने कई और व्यवसायों को जोड़ा है - पेटीएम पेमेंट्स बैंक, पेटीएम पेमेंट्स गेटवे, पेटीएम पेआउट, पेटीएम मनी, पेटीएम इनसाइडर, पेटीएम इंश्योरेंस, पेटीएम पोस्टपेड (बाय नाउ पे लेटर), पेटीएम फॉर बिजनेस, पेटीएम क्रेडिट कार्ड, पेटीएम फर्स्ट गेम्स के साथ-साथ यूटिलिटी बिल भुगतान, ऑफलाइन मर्चेंट पेमेंट, रेंटल पेमेंट, कंटेंट और भी बहुत कुछ। कंपनी ने अपने भुगतान और वित्तीय सेवाओं की पेशकश से संचालित अपने राजस्व में भारी वृद्धि देखी है। वित्तवर्ष 22 की पहली तिमाही में कंपनी का राजस्व 46 प्रतिशत बढ़कर 90,480 लाख रुपये हो गया, जो वित्तवर्ष 21 की पहली तिमाही में 60,494 लाख रुपये था। यह मुनाफे की राह पर है, क्योंकि कंपनी पहले ही योगदान मार्जिन मुनाफे की सूचना दे चुकी है। और यह भी एक अन्य कारक है, जो विश्लेषकों को प्रभावित कर रहा है। रिलायंस सिक्योरिटीज के विश्लेषकों ने कहा कि पेटीएम आईपीओ के लिए लंबी अवधि के लिए सदस्यता लें क्योंकि कंपनी ने कोविड-19 महामारी के बावजूद बड़ी व्यावसायिक ताकत दिखाई है।

रिलायंस सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट में कहा गया है, कोविड-19 महामारी के बावजूद वित्तवर्ष 19-21 में सीएजीआर में एक मजबूत 33 प्रतिशत जीएमवी पेटीएम के नेतृत्व और ब्रांड मूल्य को दर्शाता है। यह वित्तवर्ष 21-26ई के दौरान 40 खरब अमेरिकी डॉलर के मूल्य में डिजिटल भुगतान में 17 प्रतिशत अनुमानित सीएजीआर के साथ लंबे समय में सतत विकास का संकेत देता है। रिलायंस सिक्योरिटीज के विश्लेषकों ने पेटीएम के 20 अरब डॉलर के मूल्यांकन का भी बचाव किया, क्योंकि इसने महत्वपूर्ण पैमाने और ब्रांड इक्विटी बनाई है, जिसे बनाए रखने की संभावना है। आनंद राठी के विश्लेषकों ने कहा, यह देखते हुए कि कंपनी का पारिस्थितिकी तंत्र इसे बड़े बाजार के अवसरों, पैमाने और पहुंच, उत्पाद, प्रौद्योगिकी और नेतृत्व को संबोधित करने की अनुमति देता है - हम इस आईपीओ को सदस्यता (दीर्घकालिक) रेटिंग देते हैं।

अग्रणी वित्तीय और निवेश सलाहकार फर्म के विश्लेषकों ने पेटीएम के पारिस्थितिकी तंत्र, विश्वसनीय ब्रांड और पैमाने, भारतीय उपभोक्ताओं और व्यापारियों की कंपनी की अंतर्दृष्टि, इसकी प्रौद्योगिकी डीएनए, नेतृत्व और संस्कृति के साथ-साथ नेटवर्क प्रभाव को अपनी ताकत के रूप में सूचीबद्ध किया। पेटीएम एक वित्तीय सेवा कंपनी भी बन गया है, जो अपने साथ अधिक अवसर लाता है।

सरकार ने 2020-21 तक सात सत्रों के लिए कपास की खरीद को 17,409 करोड़ रुपए मंजूर किए

नई दिल्ली (एजेंसी):

सरकार ने बुधवार को भारतीय कपास निगम (सीसीआई) को 2014-15 से 2020-21 तक कपास के सात सत्रों के लिए 17,408.85 करोड़ रुपए के %प्रतिबद्ध मूल्य समर्थन% को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने यह फैसला लिया। सीसीईए ने कपास के सत्र (अक्टूबर-सितंबर) 2014-15 से 2020-21 के दौरान कपास के लिए एमएसपी संचालन के तहत नुकसान की प्रतिपूर्ति के लिए व्यय की भी मंजूरी दी है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि सीसीईए ने 2014-15 से 2020-21 (30 सितंबर, 2021 तक) के दौरान कपास के सत्र के लिए सीसीआई को 17,408.85 करोड़ रुपए के प्रतिबद्ध मूल्य समर्थन के लिए अपनी मंजूरी दे दी है। सरकार ने कहा कि कपास की कीमतों के एमएसपी के मूल्य के बराबर पहुंचने के साथ कपास किसानों के हितों की रक्षा के लिए सीसीआई ने 2014-15 से 2020-21 के दौरान बड़ी मात्रा में कपास की खरीद की। एमएसपी पर कपास की खरीद ने कपास की कीमतों को स्थिर करने और किसानों के संकट को कम करने में मदद की। सूचना और प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मीडिया को मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि सीसीआई और अधिकृत एजेंसियों ने 2019-20 में कपास की 123 लाख गांठ और 2020-21 में 100 लाख गांठ की खरीद की। वार्षिक उत्पादन 350-360 लाख गांठ होने का अनुमान है। एक दूसरे फैसले में मंत्रिमंडल ने जूट वर्ष 2021-22 के लिए जूट पैकेजिंग सामग्री के लिए

आरक्षण संबंधी मानदंडों को मंजूरी दे दी। ठाकुर ने कहा कि आरक्षण मानदंडों के अनुसार, जूट वर्ष 2021-22 के दौरान जूट पैकेजिंग सामग्री (जेपीएम) अधिनियम, 1987 के तहत 100 प्रतिशत खाद्यान्न और 20 प्रतिशत चीनी जूट की बोरियों में पैक की जाएगी।

2021 में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 80 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद

ग्लासगो (एजेंसी)।

पिछले दो वर्षों में दुनिया भर में अभूतपूर्व उद्योग और सरकार की प्रतिबद्धताओं को देखते हुए 2021 में यात्री इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 80 प्रतिशत बढ़कर 56 लाख यूनिट तक पहुंचने की उम्मीद है। ब्लूमबर्ग फिलानथ्रोपिस के साथ साझेदारी में यूके सीओपी26 प्रेसीडेंसी के अनुरोध पर ब्लूमबर्गएनईएफ (बीएनईएफ) द्वारा बुधवार को प्रकाशित एक विशेष रिपोर्ट जीरो-एमिशन व्हीकल्स फैक्टबुक के अनुसार 2021 में यात्री इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 80 प्रतिशत बढ़ सकती है। फैक्टबुक सड़क परिवहन क्षेत्र में वैश्विक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन की दिशा में हुई प्रगति का दस्तावेजीकरण करती है, और दर्शाती है कि शून्य-उत्सर्जन वाहनों के लिए भविष्य पहले से कहीं अधिक उज्ज्वल है। 2021 की पहली छमाही में, यात्री इलेक्ट्रिक वाहनों (बैटरी इलेक्ट्रिक, प्लग-इन हाइब्रिड और ईंधन सेल वाहनों सहित) की बिक्री 2019 में इसी अवधि की तुलना में 140 प्रतिशत अधिक दर्ज की गई है, जो वैश्विक यात्री वाहन बिक्री के सात प्रतिशत तक पहुंच गई है। यात्री इलेक्ट्रिक और ईंधन सेल वाहनों का कुल वैश्विक बेड़ा अब लगभग 1.3 करोड़ है, जिनमें से 85 लाख शून्य-उत्सर्जन वाहन (जेडईवी) हैं और इसके अलावा इसमें या तो बैटरी इलेक्ट्रिक या ईंधन सेल वाहन शामिल हैं। इससे पहले आंकड़ा सीओपी25 के समय केवल 46 लाख था। जबकि 2021 की पहली छमाही में शून्य-उत्सर्जन बसों के वैश्विक बेड़े में 2019 के बाद से 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2021 के अंत में सड़क पर मौजूद सभी नगरपालिका बसों में से 18 प्रतिशत शून्य-उत्सर्जन होने की उम्मीद है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि उत्सर्जन कम करने की दिशा में भविष्य पहले से कहीं अधिक उज्ज्वल होगा। उद्योग के दृष्टिकोण की समीक्षा से पता चलता है कि शून्य-उत्सर्जन वाहन पूर्वानुमान पूरे मंडल में उठाए गए हैं। 2040 में वैश्विक जेडईवी के बेड़े के लिए बीएनईएफ का अपना पूर्वानुमान 2019 के पूर्वानुमान में 49.5 करोड़ वाहनों से बढ़ाकर 2021 इलेक्ट्रिक वाहन आउटलुक में 67.7 करोड़ वाहन कर दिया गया है।

वाणिज्य मंत्रालय ने आयात कटौती के लिए 102 उत्पादों की सूची जारी की

(एजेंसी):

केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय ने अधिक मात्रा में आयात वाले 102 उत्पादों की सूची जारी करते हुए संबंधित मंत्रालयों को इनके आयात में कमी लाने की दिशा में कदम उठाने की सलाह दी है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को बताया कि घरेलू स्तर पर इन उत्पादों की क्षमता को बढ़ाकर आयात पर निर्भरता कम की जा सकती है। इसके लिए इन उत्पादों से संबंधित मंत्रालयों को जरूरी कदम उठाने को कहा गया है। इनमें मुख्य रूप से कोकिंग कोयला, कुछ मशीनरी उपकरण, रसायन एवं डिजिटल कैमरा शामिल हैं। एक विश्लेषण के मुताबिक, इन उत्पादों के आयात में लगातार बढ़त का रुझान भी देखा गया है। लंबे समय तक ये उत्पाद आयात में ऊंची हिस्सेदारी रखते रहे हैं। मार्च-अगस्त 2021 की अवधि में ही इन 102 उत्पादों का आयात में कुल हिस्सा 57.66 फीसदी रहा है। अधिकारी ने कहा कि इन उत्पादों का घरेलू स्तर पर उत्पादन बढ़ाने के मौके हैं।

इसके लिए वाणिज्य मंत्रालय ने संबंधित मंत्रालयों एवं विभागों को तत्काल कदम उठाने का सुझाव दिया है। इस सूची में शामिल 102 उत्पादों में से 18 उत्पादों की आयात में हिस्सेदारी अधिक होने के साथ उनकी उच्च आयात वृद्धि दर भी रही है। इनमें सोना, पाम आयल, इंटिग्रेटेड सर्किट (आईसी), निजी कंप्यूटर, यूरिया, स्टेनलेस स्टील टुकड़ा, रिफाइंड कॉपर, कैमरा, सूरजमुखी तेल और फॉस्फोरिक एसिड शामिल हैं। इन उत्पादों की पहचान करने का मुख्य उद्देश्य यह है कि इन पर आयात निर्भरता कम करने की दिशा में कदम उठाए जाएं। अधिकारी ने कहा, 'आंकड़े भी यही बताते हैं कि इन उत्पादों की आयात के लिए मांग हर समय बनी रहती है। ऐसी स्थिति में घरेलू अर्थव्यवस्था में इनकी आपूर्ति संबंधी अड़चनों को दूर करने की जरूरत है।' वाणिज्य मंत्रालय ने इन उत्पादों की सूची उद्योग मंत्रालय, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, खान मंत्रालय, भारी उद्योग, औषधि, इस्पात, तेल एवं प्राकृतिक गैस, उर्वरक, दूरसंचार, पोत-परिवहन, खाद्य प्रसंस्करण एवं कपड़ा मंत्रालयों के साथ साझा की है।

गूगल ने की जीएनआई स्टार्टअप्स लैब इंडिया के पहले समूह की घोषणा

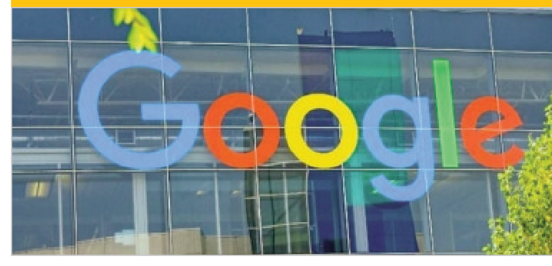

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गूगल न्यूज इनिशिएटिव (जीएनआई) स्टार्टअप्स लैब की घोषणा करने के बाद, टेक दिग्गज गूगल ने बुधवार को दस स्टार्टअप्स के नामों की घोषणा की है, जो जीएनआई स्टार्टअप्स लैब के पहले समूह का गठन करेंगे। जीएनआई स्टार्टअप लैब एक 16-सप्ताह का उत्प्रेरक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य अगली पीढ़ी के स्वतंत्र भारतीय समाचार स्टार्टअप को वित्तीय और परिचालन स्थिरता प्राप्त करने में मदद करना है। एपीएसी समाचार पार्टनरशिप के निदेशक, केट बेड्डो ने ब्लॉगपोस्ट में कहा, भारत भर के 70 से अधिक आवेदकों में से चुने गए, दस समाचार स्टार्टअप पत्रकारिता के कई प्रकारों को कवर करते हैं, जिसमें खोज, प्रसारण, राजनीतिक, डेटा और स्थानीय समाचार संगठन शामिल हैं जो कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों को आवाज देते हैं। बेड्डो ने कहा, विविध समूहों में देश भर के समाचार कक्ष हैं, जो अंग्रेजी, हिंदी, मलयालम और उर्दू सहित भाषाओं में समाचार तैयार करते हैं। जीएनआई ग्लोबल इनोवेशन लैब ईकोस और डिजिपब न्यूज इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से बनाया गया जीएनआई स्टार्टअप लैब इंडिया स्थानीय और पहले से कम सेवा वाले समुदायों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली रिपोर्टिंग का समर्थन करता है। शीर्ष 10 स्टार्टअप्स में बेहानबॉक्स, बिस्बो, ईस्ट मोजो, ईडी टाइम्स, हेडलाइन नेटवर्क, मैन मीडिया, द ब्रिज, सुनो इंडिया, द क्यू और द प्रोब शामिल हैं। बेहानबोस ने कहा, हमारा मिशन महिलाओं और लिंग-विविध व्यक्तियों की आवाजों को केंद्र में लाना है, क्योंकि उन्हें अक्सर मीडिया में फुटनोट्स में बदल दिया जाता है। इसमें कहा गया है, कानूनों और नीतियों के हमारे विश्लेषण के माध्यम से जमीनी रिपोर्टिंग के साथ, हमारा मिशन महिलाओं और लिंग विविध व्यक्तियों के लिए भारत के लोकतंत्र में समान भागीदार होने के लिए उपयोगी संसाधन बनाना है।

हित के साथ मिलकर टीम इंडिया को मजबूत करेंगे राहुल विड़, पुराने सपने को साकार करने की बनाई पूरी योजना !

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ीसी टी20 विश्व कप 2021 ी टीम इंडिया आउट हो गई हो ऑस्ट्रेलिया में अगले साल होने 20 विश्व कप के लिए तैयारियां गई हैं। क्रिकेट के सबसे छोटे ो कप्तानी छोड़ने के बाद विराट को थोड़े वक्त के लिए आराम । है और न्यूजीलैंड के खिलाफ ऐलान के साथ रोहित शर्मा को । कप्तानी सौंप दी गई है। जबकि फ द क्रिकेट कहे जाने वाले विड़' टीम इंडिया को और भी जबूत में जुट जाएंगे। उनका पूरा ाले साल होने वाले टी20 विश्व फिर साल 2023 में खेला ना विश्व कप पर होगा।

ना तो यही जताई जा रही है तीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ीआई) रोहित शर्मा को ीय मुकाबलों की भी कप्तानी ता है। हालांकि विराट कोहली विश्व कप से पहले स्पष्ट कर कि वो क्रिकेट के सबसे छोटे ी कप्तानी छोड़ रहे हैं। लेकिन वसीय और टेस्ट की कप्तानी ो। टी20 विश्व कप 2021 से

टीम इंडिया के बाहर होने के बाद राहुल द्रविड़ की चुनौतियां बढ़ गई हैं। उन्हें रोहित शर्मा के साथ मिलकर भविष्य के लिए बेहतर टीम तैयार करने की दिशा पर काम करना होगा।

विश्व कप खिताब उठाना चाहते हैं द्रविड़

साल 2003 में विश्व कप खिताब उठाने से एक कदम दूर रह गए राहुल द्रविड़ की पूरी कोशिश रहेगी की उनकी टीम यह ट्रॉफी अपने नाम करे। उस वक्त सौरव गांगुली टीम के कप्तान थे और उन्हें भी उतना ही ज्यादा मलाल हुआ था जितना राहुल द्रविड़ को। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए फाइनल मुकाबले में विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने सबसे ज्यादा 82 रन की पारी खेली और उसके बाद राहुल द्रविड़ ने 47 रन बनाए थे।

मौजूदा समय में सौरव गांगुली बीसीसीआई के अध्यक्ष हैं और राहुल द्रविड़ मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। माना जा रहा है कि रोहित शर्मा को अगर एकदिवसीय मुकाबले की कप्तानी सौंप दी गई तो उनकी और राहुल की जोड़ी न सिर्फ टी20 विश्व कप बल्कि विश्व कप में भी गजब की छाप छोड़ेंगे और हो सकता है कि खिताब भी अपने नाम कर लें।

टी20 सीरीज के लिए युवाओं को दिया मौका

राहुल द्रविड़ के कमान संभालते ही न्यूजीलैंड के खिलाफ चयनित भारतीय टी20 टीम में युवा नजर आए। कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया तो कुछ को ड्राप कर दिया गया। जिसमें हार्दिक पांड्या और टी20 विश्व कप में एक भी विकेट नहीं चटका पाने वाले वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं। हालांकि आईपीएल के दूसरे चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली। जिसमें ऋतुराज गायकवाड़, वेंकटेश अय्यर, आवेश खान, हर्षल पटेल शामिल हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि नए कोच राहुल द्रविड़ के साथ भारतीय क्रिकेट प्रगति करेगा क्योंकि वह अपने साथ अपार अनुभव ही नहीं बल्कि अपने खेलने के दिनों वाली काम करने की वह शैली भी लेकर आएंगे।

कप्तान कोहली की 9 महीने की बेटी को रेप की धमकी देने वाला शख्स गिरफ्तार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की 9 महीने की बच्ची को रेप की धमकी देने वाले शख्स को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आरोपी का नाम रामनागेश अधिबथिनी बताया जा रहा है। जिसकी उम्र 23 साल है। वो हैदराबाद का रहने वाला है और उसे वहीं से मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

कोहली की बेटी को मिली थी रेप की धमकी

आपको बता दें कि आईसीसी टी20 विश्व कप मुकाबले में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ करारी हार का सामना करना पड़ा था और इसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स ने सबसे महंगे साबित हुए मोहम्मद शमी को धर्म के आधार पर निशाना बनाया था। जिसका कप्तान कोहली ने बचाव किया था और इसी के बाद अब उनकी बेटी को रेप की धमकी दी गई थी। इस मामले में मुंबई पुलिस ने एक शख्स को हैदराबाद से गिरफ्तार किया है।

आपको बता दें कि रेप की धमकी देने वाला आरोपी सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। जो पहले खाने की डिलिवरी करने वाली एक कंपनी के लिए सॉफ्टवेयर बनाने का काम करता था। इतना ही नहीं इस शख्स ने आईआईटी हैदराबाद से बीटेक की डिग्री हासिल की है।

इस मामले में दिल्ली महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया था और 9 महीने की बच्ची को रेप की धमकी देने वाले शख्स की गिरफ्तारी की मांग की थी। डीडब्ल्यूसी प्रमुख स्वाती मालिवाल ने एक ट्वीट में लिखा था कि विराट कोहली की 9 महीने की बेटी को जिस तरह ट्विटर पर रेप की धमकी दी गई वो बेहद शर्मनाक है। इसी टीम ने हमें हज़ारों बार गौरवांवित महसूस कराया है, हार पे ये घटियापन क्यों ? मैंने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है, 9 महीने की बच्ची को रेप की धमकी देने वाले सभी गिरफ्तार हों!

स्तान के 2022 के दौरे पर दो अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगा इंग्लैंड

इंग्लैंड अगले साल पाकिस्तान के दौरे पर पांच टी20 ट्रीय मुकाबलों के अलावा दो अतिरिक्त मैच खेलेगा। इंग्लैंड स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम हैरिसन ने मंगलवार को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा के साथ बैठक के बाद यह घोषणा की। इंग्लैंड

ाल सितंबर/अक्टूबर में टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगा। या में टी20 विश्व कप के बाद टीम दोबारा पाकिस्तान लौटेगी टेस्ट खेलेगी जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा न ने पीसीबी की विज्ञप्ति में कहा, ''यह पाकिस्तान क्रिकेट में की टीमों, पुरुष और महिला टीमों, को उतारने की हमारी ता की पुनः पुष्टि करता है। टीमें अंततः पाकिस्तान से उसकी पर भिड़ेंगी।'' इंग्लैंड की पुरुष टीम को अक्टूबर में 2005 पहली बार पाकिस्तान का दौरा करना था जबकि महिला टीम ली बार यहां आना था। ईसीबी ने हालांकि खिलाड़ियों के और शारीरिक स्वास्थ्य और सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में ए दोनों श्रृंखलाओं को रद्द कर दिया जिस फैसले की काफी ना हुई।

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में प्रबल दावेदार पाकिस्तान की भिड़ंत आस्ट्रेलिया से होगी

दुबई। (एजेंसी)।

पाकिस्तान की टीम अपने दूसरे खिताब की ओर बढ़ती नजर आ रही है लेकिन गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी राह आसान नहीं होगी क्योंकि आरोन फिंच की टीम ने सही समय पर लय हासिल कर ली है। विश्व टी20 2016 के पहले दौर में बाहर होने के बाद पाकिस्तान ने इस बार शानदार प्रदर्शन किया है। बाबर आजम की अगुआई वाला 2009 का चैंपियन पाकिस्तान मौजूदा टूर्नामेंट की एकमात्र टीम है जिसे अब तक शिकस्त का सामना नहीं करना पड़ा है।

दोनों टीमों के बीच पिछली बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया ने माइक हसी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की थी। यूएई में हालांकि मौजूदा टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीम दबाव में अच्छा प्रदर्शन कर रही है और यहां की परिस्थितियों को लेकर सहज है। वर्ष 2009 में श्रीलंका की टीम बस पर आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं हुआ और देश ने यूएई में अपने घरेलू मैच खेले। पाकिस्तान सुपर लीग के कई सत्र भी यहां आयोजित हुए। भारत के खिलाफ एतिहासिक जीत से अभियान शुरू करने वाली पाकिस्तान की टीम अजेय नजर आ रही है और न्यूजीलैंड तथा अफगानिस्तान के खिलाफ विषम हालात में जीत दर्ज करके जज्बा दिखा चुकी है। टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोर बाबर (264) की अगुआई में पाकिस्तान का शीर्ष क्रम काफी मजबूत है। बाबर चार अर्धशतक जड़ चुके हैं और टीम को उनसे एक बार फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। आस्ट्रेलिया का गेंदबाजी आक्रमण हालांकि उनकी चुनौती के लिए पूरी तरह से तैयार होगा और किसी भी गलती का फायदा उठाना चाहेगा।

आयरलैंड की मेजबानी करेगी अमेरिकी क्रिकेट टीम

डबलिन। अमेरिका दिसंबर में पहली बार शीर्ष स्तर की क्रिकेट टीम की मेजबानी करेगा जब आयरलैंड की टीम टी20 और एकदिवसीय श्रृंखला के लिए देश का दौरा करेगी। अमेरिका और आयरलैंड के बीच 22 दिसंबर से फ्लोरिडा के सेंट्रल ब्रोवार्ड रीजनल पार्क स्टेडियम में दो टी20 और तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला होगी। इनमें से तीन मुकाबले दिन-रात्रि के होंगे। आयरलैंड की टीम इसके बाद 31 दिसंबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के लिए कैरेबिया रवाना होगी।

रत/न्यूजीलैंडे सीरीजः हार्दिक पांड्या को नहीं मिली ाह, ये खिलाड़ी न कर दे हमेशा के लिए बाहर

ई दिल्ली (एजेंसी)।

लैंड से सीरीज के लिए टीम की घोषणा आई ने कर दी है. इस हार्दिक पांड्या, रवींद्र और मोहम्मद शमी जैसे लाड़ियों को जगह नहीं . इसमें हार्दिक पांड्या ल नहीं होने पर तमाम मी सवाल उठा रहे हैं. , सवाल ये भी उठ रहा हीं हार्दिक पांड्या हमेशा टीम से बाहर तो नहीं हो कहीं, उनका करियर ो नहीं हो जाएगा. , हार्दिक पांड्या काफी से फीट नहीं हैं. न में फिट नहीं होने के उन्हें खिलाया और यंस की प्लेइंग इलेवन में वो लगभग हर मैच में शामिल रहे. कमाल की बात ये है कि हार्दिक पांड्या आलराउंडर हैं लेकिन उनसे एक भी मैच में बॉलिंग नहीं कराई गई. उन्होंने सिर्फ बैटिंग की. इसके बाद उन्हें टी-20 वर्ल्ड कप में भी शामिल किया गया और प्लेइंग-11 में भी वह रहे लेकिन यहां भी शुरुआती मैचों में उन्होंने बॉलिंग नहीं की. शुरू के महत्वपूर्ण मैचों में उनका बल्ला भी नहीं चला. भारत के पाकिस्तान के खिलाफ अतिरिक्त गेंदबाज की कमी खली. बाद में भारत सेमीफाइनल की रेस से भी बाहर हो गया. हालांकि रवींद्र जडेजा भी आलराउंडर हैं लेकिन वह सातवें नंबर पर आते हैं, ऐसे में हार्दिक पांड्या के गेंदबाजी नहीं करने पर अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प नहीं रह जाता. अब न्यूजीलैंड दौरे पर हार्दिक पांड्या को टीम में जगह नहीं दी गई लेकिन आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले वेंकटेश अय्यर को शामिल किया गया है. अगर वेंकटेश अय्यर गेंद और बल्ले, दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं तो फिर हार्दिक पांड्या की वापसी पर सवाल उठ सकते हैं क्योंकि ओपनिंग जोड़ी में विराट कोहली और केएल राहुल का रहना लगभग निश्चित है. विकेट कीपर के तौर पर पंत या ईशान किशन में से एक का स्थान पक्का है. सूर्यकुमार यादव को न्यूजीलैंड सीरीज में शामिल किया जाना दिखाता है कि सलेक्टर्स उन्हें हटाने की मूड में नहीं हैं. ऐसे में सवाल है कि

अगर वेंकटेश अय्यर बढ़िया प्रदर्शन करते हैं तो कहीं हार्दिक पांड्या की जगह खतरे में तो नहीं पड़ जाएगी. सबसे बड़ी बात विराट कोहली ने कप्तानी छोड़ी है लेकिन क्रिकेट नहीं. अब जब विराट कोहली टीम में वापसी करेंगे तो हार्दिक की जगह कहां बनेगी यह सवाल है. हालांकि अभी कुछ भी कहना जल्दीबाजी है लेकिन क्रिकेट प्रेमियों के जेहन में सवाल तो उठने लगे हैं.

पाकिस्तान के खिलाफ पावरप्ले होगा महत्वपूर्ण : फिंच

दुबई (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान एरोन फिंच ने बुधवार को कहा कि 11 नवंबर को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान के साथ मैच में पावरप्ले अहम रोल निभा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी से निपटना महत्वपूर्ण होगा। टूर्नामेंट के सुपर 12 के सभी मैचों में जीत दर्ज करके पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में जगह बनाई है। दूसरी तरफ, ऑस्ट्रेलिया सुपर 12 में अपने कट्टर विरोधी इंग्लैंड की टीम से हारकर अंतिम चार में पहुंच पाई है। यह याद दिलाते हुए कि पाकिस्तान अपने प्रतिद्वंद्वियों पर हावी होकर आसान जीत दर्ज

कर रहा है। इस पर फिंच ने कहा, बल्लेबाजी और गेंदबाजी के लिए पावरप्ले कितना महत्वपूर्ण है और बीच के ओवरों और डेथ ओवरों के आंकड़े एक तरह से सामान हैं, लेकिन पावरप्ले निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। हां, इस समय शाहीन फॉर्म में हैं, यानी एक अच्छा मुकाबला देखने को मिलेगा।

नए फॉर्मेट के अनुसार दिसंबर से शुरू होगा घरेलू बैडमिंटन सीजन

नई दिल्ली। तकरीबन 20 महीने के बाद भारतीय बैडमिंटन खिलाडियों को कोर्ट में एक बार फिर से खेलने का मौका मिलेगा जब डोमेस्टिक सीजन का सीनियर रैंकिंग का पहला टूर्नामेन्ट चेन्नई में 16 से 22 दिसंबर से शुरू होगा। इसके बाद हैदराबाद में 24 से 30 दिसंबर को एक और लेवल 3 टूर्नामेन्ट शुरू होगा। दोनों टूर्नामेन्ट के लिए पुरस्कार राशि 10 लाख रुपए रखी गयी है। ये इवेंट्स बैडमिंटन एसोसिएशन के द्वारा बनाये गए गए नए फॉर्मेट के अनुसार 2019 में होना तय था लेकिन महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव अजय सिंघानिया ने कहा कि डोमेस्टिक सीजन कोविड प्रोटोकॉल के अनुसार होगा और सभी खिलाड़ियों के लिए कोविड का नेगेटिव आरटीपीसीआर टेस्ट देना अनिवार्य होगा। सिंघानिया ने कहा कि कोविड ने सिर्फ जीवन को ही प्रभावित नहीं किया है बल्कि खेल को भी प्रभावित किया है, लेकिन हमें खुशी है कि डोमेस्टिक सीजन की शुरआत एक बार फिर से हो रही है। हमारे पास कुछ वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं और ये एक अच्छी खबर है कि सभी एक बार फिर से कोर्ट पर खेलने के लिए तैयार हैं। सीनियर रैंकिंग टूर्नामेन्ट को तीन केटेगरी में बांटा गया है, लेवल 3- बाई सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेन्ट (छह साल में एक बार), लेवल 2- बाई सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेन्ट (चार साल में एक बार), और लेवल 1- बाई प्रीमियर सुपर सीरीज बैडमिंटन टूर्नामेन्ट (एक साल में दो बार)। कुल 2.2 करोड़ रुपए का प्राइज के साथ डोमेस्टिक सीनियर रैंकिंग टूर्नामेन्ट में लेवल 3 केटेगरी का टूर्नामेंट के लिए 10 लाख रुपए, लेवल 2 टूर्नामेन्ट जो साल में दो बार खेला जाएगा उसके लिए 15 लाख रुपए, और उसके बाद प्रीमियर टूर्नामेन्ट के लिए 25 लाख रुपए का प्राइज रखा गया है। इसके बाद होनेवाले नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए 50 लाख का प्राइज खिलाड़ियों के लिए रखा गया है। नए फॉर्मेट का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को सिर्फ ज्यादा प्राइज देना ही नहीं है बल्कि टूर्नामेंट्स को ज्यादा से ज्यादा कॉम्पिटिटिव बनाकर खिलाड़ियों को मुख्य इवेंट्स में लाना भी है।

ब्रिटेन की स्टार टेनिस खिलाड़ी एम्मा रादुकानु जिन्यू से हारी

लिंज (ऑस्ट्रिया)। ग्रेट ब्रिटेन की नई टेनिस स्टार और यूएस ओपन चैंपियन एम्मा राडुकानू का खराब प्रदर्शन जारी रहा और अपर ऑस्ट्रिया लेडीज लिंज के दूसरे दौर में 18 साल चीन की क्वालीफायर वांग जिन्यू से 6-1, 6-7(0), 7-5 से हार गईं।

जिन्यू ने मंगलवार को बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नंबर 1 वरीयता प्राप्त रादुकानु को हराकर अपनी पहली शीर्ष-20 जीत हासिल की,

पाक गेंदबाज का आकलन, गुटबाजी के चलते टी-20 से संन्यास भी ले सकते हैं कोहली

कराची (एजेंसी)।

स्तान के पूर्व टेस्ट लेग स्पिनर अहमद ने कहा है कि विराट के टी20 प्रारूप की कप्तानी फैसले से संकेत मिलते हैं तीय ड्रेसिंग रूम में सब कुछ है। विश्व कप से पहले यूएई इंडियन प्रीमियर लीग का हुआ तो कोहली ने घोषणा वह आखिरी बार रॉयल बेंगलोर की अगुआई कर रहे उन्होंने साथ ही पुष्टि की कि श्व कप इस प्रारूप में कप्तान में उनका आखिरी टूर्नामेंट

र दिल्ली के बने हैं गुट

कप्तान कहता है कि वह कप्तानी छोड़ना चाहता है तो इसका मतलब है कि ड्रेसिंग रूम में सब कुछ सही नहीं है। मुझे अभी भारतीय ड्रेसिंग रूम में दो गुट नजर आते हैं.... मुंबई और दिल्ली गुट।' कोहली ने सोमवार को नामीबिया के खिलाफ विश्व कप मैच में आखिरी बार टी20 प्रारूप में भारत की अगुआई की। मुश्ताक ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कोहली जल्द ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले लेंगे।

टी20 अंतरराष्ट्रीय से ले सकते हैं संन्यास

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कोहली जल्द ही देश की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना छोड़ देंगे, वह हालांकि इंडियन प्रीमियर लीग में खेलना जारी रखेगा।' भारतीय टीम में पहुंचने के नाकाम रही और मुश्ताक ने इसके लिए आईपीएल को जिम्मेदार ठहराया। मुश्ताक ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारतीय टीम आईपीएल के कारण विश्व कप में फ्लॉप रही। मुझे लगता है कि उनके खिलाड़ी विश्व कप से पहले इतने अधिक समय तक जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहने से थक गए थे।'

टी-20 विश्वकप में पाकिस्तान के खिलाफ बनाए 57 रनों को छोड़ दिया जाए तो वह कुछ खास कमाल नहीं कर सके। अफगानिस्तान और नामीबिया के खिलाफ वह बल्लेबाजी के लिए भी नहीं उतरे। कुल मिलाकर यह टी-20 विश्वकप बल्लेबाज और कप्तान के तौर पर कोहली के लिए निराशाजनक रहा।

ओवरऑल टी-20 अंतरराष्ट्रीय में बतौर कप्तान उन्होंने 51 टी-20 मैच

बतौर कप्तान टी-20 रन बनाने के मामले में वह शीर्ष भारतीय कप्तान हैं। 1570 रनों के साथ वह भारत के पहले और दुनिया के चौथे सर्वाधिक रन बनाने वाले टी-20 कप्तान हैं। कप्तान के रूप में सबसे तेज एक हजार टी-20 रन बनाने की उपलब्धि भी उनके नाम है, जो उन्होंने सिर्फ 30 पारियों में हासिल की है। एक बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने 94 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 29 अर्धशतकों के साथ 3227 रन बनाए हैं।

टी-20 में विराट कोहली ने बनाए हैं सबसे ज्यादा रन

टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कोहली ने जितने रन बनाए हैं उतने रन दुनिया के किसी बल्लेबाज ने नहीं

और अब टी-20 के वर्तमान कप्तान रोहित शर्मा 116 टी-20 मैचों में

हिमालय का प्रवेशद्वार ऋषिकेश

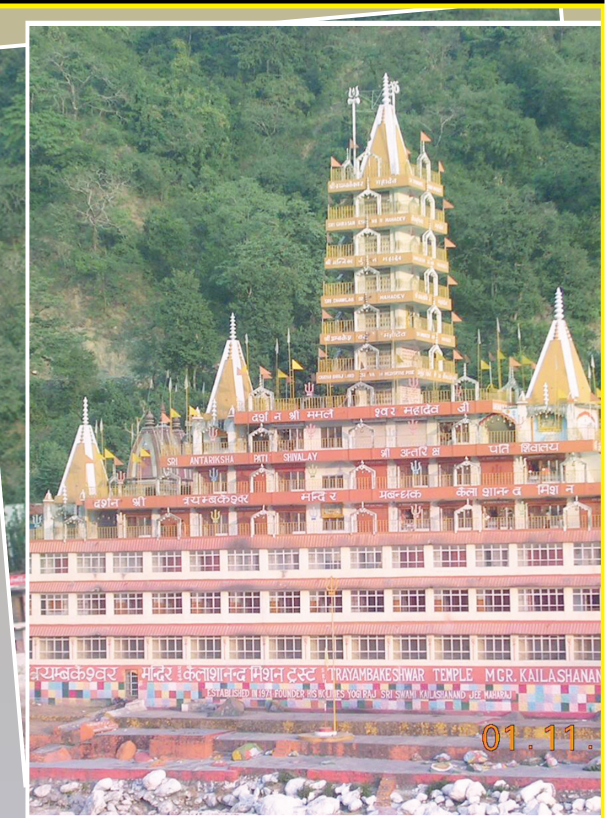

{ ऋषिकेश से संबंधित अनेक धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान निकला विष शिव ने इसी स्थान पर पिया था। विष पीने के बाद उनका गला नीला पड़ गया और उन्हें नीलकंठ के नाम से जाना गया। एक अन्य अनुश्रुति के अनुसार भगवान राम ने वनवास के दौरान यहां के जंगलों में अपना समय व्यतीत किया था। रस्सी से बना लक्ष्मण झूला इसका प्रमाण माना जाता है। }

हिमालय का प्रवेश द्वार, ऋषिकेश जहां पहुंचकर गंगा पर्वतमालाओं को पीछे छोड़ समतल धरातल की तरफ आगे बढ़ जाती है। हरिद्वार से मात्र 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ऋषिकेश विश्व प्रसिद्ध एक योग केंद्र है। ऋषिकेश का शांत वातावरण कई विख्यात आश्रमों का घर है। उत्तराखण्ड में समुद्र तल से 1360 फीट की ऊंचाई पर स्थित ऋषिकेश भारत के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में एक है। हिमालय की निचली पहाड़ियों और प्राकृतिक सुन्दरता से घिरे इस धार्मिक स्थान से बहती गंगा नदी इसे अतुल्य बनाती है। ऋषिकेश को केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री का प्रवेशद्वार माना जाता है। कहा जाता है कि इस स्थान पर ध्यान लगाने से मोक्ष प्राप्त होता है। हर साल यहां के आश्रमों के बड़ी संख्या में तीर्थयात्री ध्यान लगाने और मन की शान्ति के लिए आते हैं। विदेशी पर्यटक भी यहां आध्यात्मिक सुख की चाह में नियमित रूप से आते रहते हैं।

प्रचलित कथाएं

ऋषिकेश से संबंधित अनेक धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान निकला विष शिव ने इसी स्थान पर पिया था। विष पीने के बाद उनका गला नीला पड़ गया और उन्हें नीलकंठ के नाम से जाना गया। एक अन्य अनुश्रुति के अनुसार भगवान राम ने वनवास के दौरान यहां के जंगलों में अपना समय व्यतीत किया था। रस्सी से बना लक्ष्मण झूला इसका प्रमाण माना जाता है। 1939 ई. में लक्ष्मण झूले का पुनर्निर्माण किया गया। यह भी कहा जाता है कि ऋषि राभ्या ने यहां ईश्वर के दर्शन के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान ऋषिकेश के अवतार में प्रकट हुए। तब से इस स्थान को ऋषिकेश नाम से जाना जाता है।

लक्ष्मण झूला

गंगा नदी के एक किनार को दूसरे किनारे से जोड़ता यह झूला शहर की खास पहचान है। इसे 1939 में बनवाया गया था। कहा जाता है कि गंगा नदी को पार करने के लिए लक्ष्मण ने इस स्थान पर जूट का झूला बनवाया था। झूले के बीच में पहुंचने पर वह हिलता हुआ प्रतीत होता है। 450 फीट लंबे इस झूले के समीप ही लक्ष्मण और रघुनाथ मंदिर हैं। झूले पर खड़े होकर आसपास के खूबसूरत नजारों का आनंद लिया जा सकता है। लक्ष्मण झूला के समान राम झूला भी नजदीक ही स्थित है। यह झूला शिवानंद और स्वर्ग आश्रम के बीच बना है। इसलिए इसे शिवानंद झूला के नाम से भी जाना जाता है।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश में स्नान करने का यह प्रमुख घाट है जहां प्रातः काल में अनेक श्रद्धालु पवित्र गंगा नदी में डुबकी लगाते हैं। कहा जाता है कि इस स्थान पर हिन्दु धर्म की तीन प्रमुख नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम होता है। इसी स्थान से गंगा नदी दायीं ओर मुड़ जाती है। शाम को होने वाली यहां की आरती का नजारा बेहद आकर्षक होता है।

राम झूला पुल

स्वामी विशुद्धानन्द द्वारा स्थापित यह आश्रम ऋषिकेश का सबसे प्राचीन आश्रम है। स्वामी जी को काली कमली वाले नाम से भी जाना जाता था। इस स्थान पर बहुत से सुन्दर मंदिर बने हुए हैं। यहां खाने पीने के अनेक रेस्तरां हैं जहां सिर्फ शाकाहारी भोजन ही परोसा जाता है। आश्रम की आसपास हस्तशिल्प के सामान की बहुत सी दुकानें हैं।

नीलकंठ महादेव मंदिर-

लगभग 5500 फीट की ऊंचाई पर स्वर्ग आश्रम की पहाड़ी की चोटी पर नीलकंठ महादेव मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि भगवान शिव ने इसी स्थान पर समुद्र मंथन से निकला विष ग्रहण किया गया था। विषपान के बाद विष के प्रभाव के से उनका गला नीला पड़ गया था और उन्हें नीलकंठ नाम से जाना गया था। मंदिर परिसर में पानी का एक झरना है जहां भक्तगण मंदिर के दर्शन करने से पहले स्नान करते हैं।

भरत मंदिर-

यह ऋषिकेश का सबसे प्राचीन मंदिर है जिसे 12 शताब्दी में आदि गुरू शंकराचार्य ने बनवाया था। भगवान राम के छोटे भाई भरत को समर्पित यह मंदिर त्रिवेणी घाट के निकट ओल्ड टाउन में स्थित है। मंदिर का मूल रूप 1398 में तैमूर आक्रमण के दौरान क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। हालांकि मंदिर की बहुत सी महत्वपूर्ण चीजों को उस हमले के बाद आज तक संरक्षित रखा गया है। मंदिर के अंदरूनी गर्भगृह में भगवान विष्णु की प्रतिमा एकल शालीग्राम पत्थर पर उकेरी गई है। आदि गुरू शंकराचार्य द्वारा रखा गया श्रीयंत्र भी यहां देखा जा सकता है।

कैलाश निकेतन मंदिर-

लक्ष्मण झूले को पार करते ही कैलाश निकेतन मंदिर है। 12 खंड़ों में बना यह विशाल मंदिर ऋषिकेश के अन्य मंदिरों से भिन्न है। इस मंदिर में सभी देवी देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं।

वशिष्ठ गुफा-

ऋषिकेश से 22 किमी. की दूरी पर 3000 साल पुरानी वशिष्ठ गुफा बद्रीनाथ-केदारनाथ मार्ग पर स्थित है। इस स्थान पर बहुत से साधु विश्राम और ध्यान लगाए देखे जा सकते हैं। कहा जाता है यह स्थान भगवान राम और बहुत से राजाओं के पुरोहित वशिष्ठ का निवास स्थल था। वशिष्ठ गुफा में साधुओं को ध्यानमग्न मुद्रा में देखा जा सकता है। गुफा के भीतर एक शिवलिंग भी स्थापित है।

गीता भवन-

राम झूला पार करते ही गीता भवन है जिसे 1950 ई. में श्रीजयदयाल गोयन्काजी ने बनवाया गया था। यह अपनी दर्शनीय दीवारों के लिए प्रसिद्ध है। यहां रामायण और महाभारत के चित्रों से सजी दीवारें इस स्थान को आकर्षण बनाती हैं। यहां एक आयुर्वेदिक डिस्पेन्सरी और गीताप्रेस गोरखपुर की एक शाखा भी है। प्रवचन और कीर्तन मंदिर की नियमित क्रियाएं हैं। शाम को यहां भक्ति संगीत की आनंद लिया जा सकता है। तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए यहां सैकड़ों कमरे हैं।

कैसे जाएं

वायुमार्ग–

ऋषिकेश से 18 किमी. की दूरी पर देहरादून के निकट जौली ग्रान्ट एयरपोर्ट नजदीकी एयरपोर्ट है। इंडियन एयरलाइन्स की फ्लाइटें इस एयरपोर्ट को दिल्ली से जोड़ती है।

रेलमार्ग–

ऋषिकेश का नजदीकी रलवे स्टेशन ऋषिकेश है जो शहर से 5 किमी. दूर है। ऋषिकेश देश के प्रमुख रलवे स्टेशनों से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग

दिल्ली के कश्मीरी गेट से ऋषिकेश के लिए डीलक्स और निजी बसों की व्यवस्था है। राज्य परिवहन निगम की बसें नियमित रूप से दिल्ली और उत्तराखंड के अनेक शहरों से ऋषिकेश के लिए चलती हैं।

खरीददारी

ऋषिकेश में हस्तशिल्प का सामान अनेक छोटी दुकानों से खरीदा जा सकता है। यहां अनेक दुकानें हैं जहां से साड़ियों, बेड कवर, हैन्डलूम फेबरिक, कॉटन फेबरिक आदि की खरीददारी की जा सकती है। ऋषिकेश में सरकारी मान्यता प्राप्त हैन्डलूम शॉप, खादी भंडार, गढ़वाल वूल और क्राफ्ट की बहुत सी दुकानें हैं जहां से उच्चकोटि का सामान खरीदा जा सकता है।

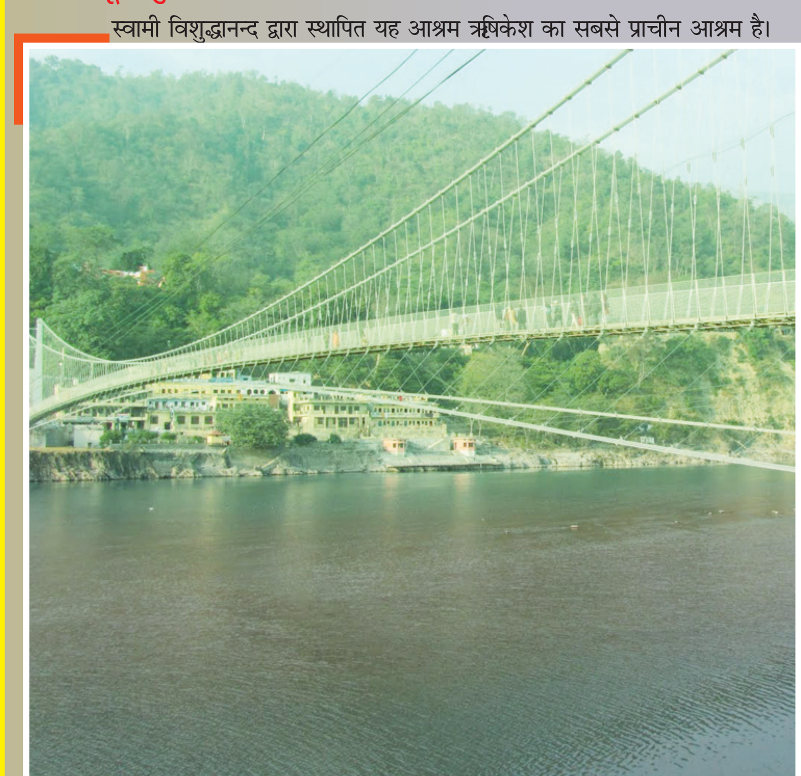

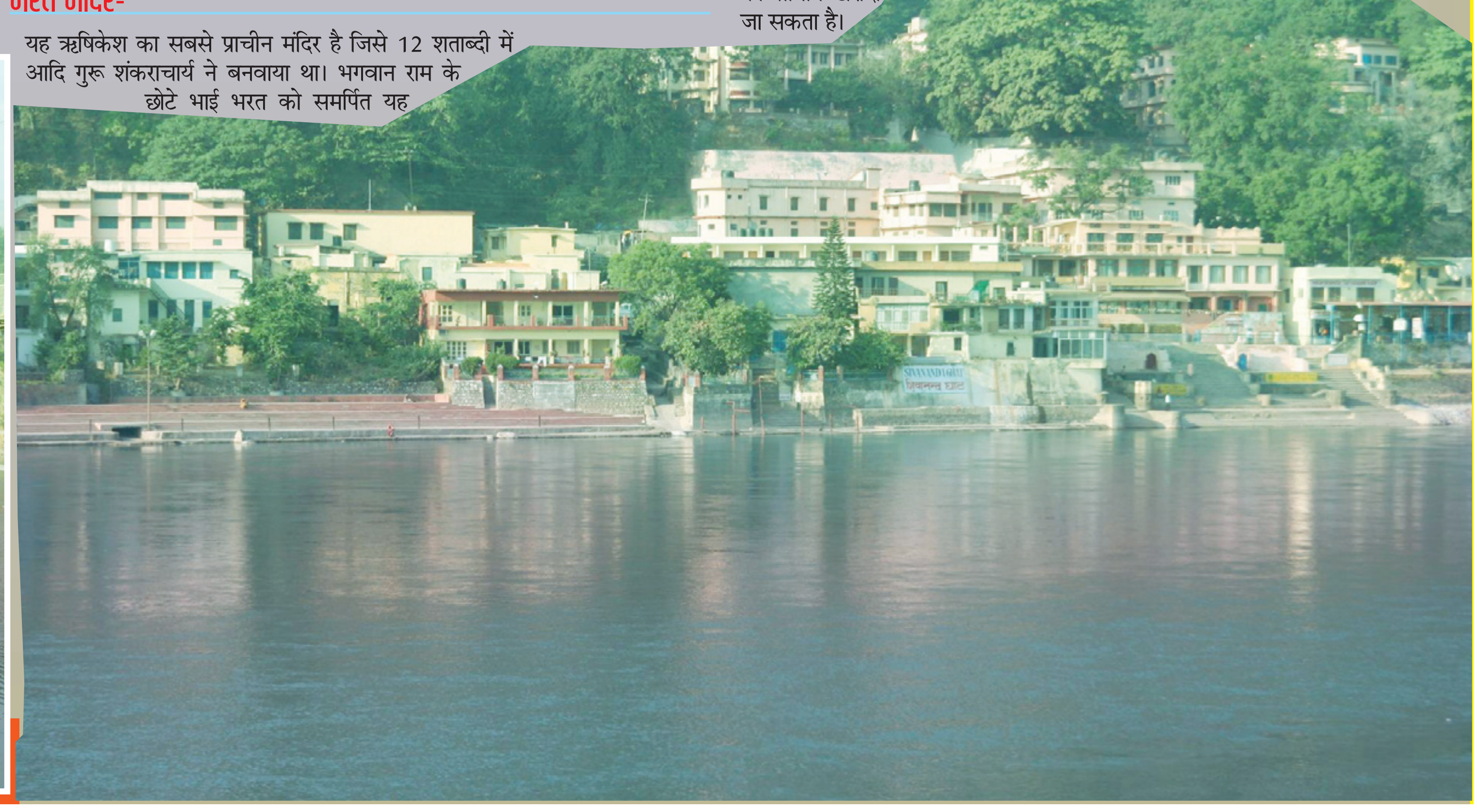

सार समाचार

इजरायल की कैद में 112 दिनों से भूख हड़ताल पर है फलीस्तीनी नागरिक, हो सकती है मौत

नई दिल्ली। फलीस्तीन ने इजरायल से मांग की है कि वो फलीस्तीनी नागरिक को अपनी कैद से आजाद करे। इजायल की कैद में बंद यह फलीस्तीनी नागरिक 112 दिनों से भूख हड़ताल पर है। कई महीनों से भूख हड़ताल करने की वजह से फलीस्तीन नागरिक की हालत काफी खराब है और उनकी मौत भी हो सकती है। कैदी की मां ने कहा है कि बिना किसी चार्ज के उन्हें कैद करने के खिलाफ वो भूख हड़ताल पर बैठ गये हैं। मिकदाद अल-क्कास्मी 21 जुलाई से खाना नहीं खा रहे हैं और वजन काफी कम हो गया है। उनके परिजनों का कहना है कि उन्होंने खाना खाने से इनकार कर दिया है और नमक-पानी पीने से भी इनकार कर दिया है। मिकदाद अल-क्कास्मी की तरह पांच अन्य कैदी भी वहां हड़ताल पर हैं। बताया जा रहा है कि अदालत से अनुमति नहीं होने के बावजूद इन लोगों को कैद में रखा गया है।
यूनाइटेड नेशन और यूरोपियन यूनियन ने इजरायल के इस कदम की आलोचना की है। 24 साल के मिकदाद अल-क्कास्मी की मां इमान क्कास्मी ने कहा है कि लगातार भूख हड़ताल पर होने की वजह से उनके बेटे का स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन बिगड़ता जा रहा है और उनकी जान खतरे में है। 'Reuters' ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि पिछले हफ्ते वो तेल अवीव के नजदीक कपलान अस्पताल के आईसीयू में भर्ती थे।

ईरान से हर तरह के खतरे को लेकर तैयार है इजरायल, सुरक्षा अधिकारियों ने दी जानकारी

जेरुशलम। इजरायली टॉप रक्षा अधिकारियों ने कहा है कि हम ईरान और उसके सहयोगियों के साथ सशस्त्र संघर्ष की संभावना के लिए तैयारी कर रहे हैं। इजरायली सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अवीव कोहावी ने कहा है कि इजरायली सेना ईरान और न्यूक्लियर मिलिट्री खतरे से निपटने के लिए ऑपरेशनल प्लान्स पर तेजी से काम कर रही है।
बता दें कि ईरान के कई टॉप लीडर्स कई बार इजरायल को दुनिया के नक्शे से मिटाने की बात कह चुके हैं। इजरायल ने भी कई बार कहा है कि वह ईरान को किसी भी हालात में परमाणु हथियार विकसित करने नहीं दे सकता है। इसके लिए अगर सैन्य बल की जरूरत होगी तो उसका इस्तेमाल भी किया जाएगा। हाल ही में इजरायली विदेश मंत्री यायर लैपिड ने कहा था कि अगर एक आंतकी सरकार परमाणु हथियार हासिल करने जा रहा है तो हमें कार्रवाई करनी चाहिए। हालांकि ईरान ने कहा है कि उसका न्यूक्लियर प्रोग्राम सिर्फ शांतिपूर्ण मकसदों के लिए है। तेहरान इसी महीने दुनिया के टॉप देशों के साथ न्यूक्लियर प्रोग्राम पर बातचीत करने को तैयार है। 2015 में ईरानी न्यूक्लियर प्रोग्राम पर अनुकुश लगाने के लिए समझौते के बाद 2018 में अमेरिका के हटने के बाद से यह समझौता अधर में है। कोहावी ने कहा है कि सेना ने पिछले एक साल के दौरान मिडिल ईस्ट के आसपास कई कोवर्ट ऑपरेशंस को अंजाम दिया है और मिशन में अपने दुश्मनों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखा है। उनका यह कमेंट सीरिया में कथित इजरायली हवाई हमले के बाद आई है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि इजरायल ने पिछले एक देश में ईरान से जुड़े कई सैन्य ठिकानों पर सैकड़ों हमले किए हैं लेकिन कभी इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। इजरायल के रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज़ ने कहा है कि इजरायल युद्ध को रोकने के लिए हर वक्त कोशिश करता रहा है। लेकिन हम युद्ध के स्थिति में सभी तरह के ऑपरेशंस को अंजाम देने के लिए तैयार हैं।

इस अस्पताल में 30 साल से टॉयलेट का पानी पी रहे लोग, ऐसे खुली पोल

नई दिल्ली। भारत के अस्पतालों में आए दिन कई खामियां देखने को मिलती हैं। इसके चलते मेडिकल विभाग और उसके अधिकारी आलोचनाओं का शिकार भी बनते हैं। लेकिन जापान के अस्पताल ने तो हद पार कर दी। यहां एक ऐसा मामला सामने आया है जहां एक सरकारी अस्पताल में लोग तीस साल से टॉयलेट का पानी पी रहे हैं। इसका खुलासा तब हुआ जब यह पता चला कि पीने के पानी के कई पाइप टॉयलेट से जुड़े हुए हैं। इतना सुनते ही अस्पताल प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। दरअसल, यह घटना जापान के ओसाका यूनिवर्सिटी अस्पताल का है। जापानी मीडिया की रिपोर्ट मुताबिक, इस अस्पताल में पानी की समय-समय पर जांच भी होती रहती थी लेकिन कभी इस बात की जानकारी नहीं दी गई कि पानी की क्वालिटी खराब है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से लोगों को लगा कि पानी का स्वाद सही नहीं आ रहा है इसके बाद जब फिर से पानी की जांच कराई गई तो पूरी पोल खुल गई। जांच में यह पाया गया कि अस्पताल परिसर के पानी के नलों का कनेक्शन गलत है। इस मामले की आगे की जांच में पता चला है कि पीने के पानी के पाइप टॉयलेट से जुड़े हुए थे। इतना ही नहीं रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पानी के पाइप्स का यह गलत कनेक्शन पिछले 30 सालों से है। यह तबसे है जब 1993 में यह अस्पताल खुला था। अस्पताल के करीब 120 नलों में यह खराबी बताई गई है।

पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने पीएम इमरान खान को लताड़ा, पूछा- आतंकियों से बातचीत क्यों कर रहे?

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट ने पीएम इमरान खान को लताड़ लगाई है। इमरान खान को कोर्ट ने सेना द्वारा संचालित एक स्कूल पर 2014 के आतंकी हमले की सुनवाई के दौरान सवालों के घेरे का सामना करना पड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने इमरान खान से पूछा है कि वह सैकड़ों लोगों की मौत के दोषियों के साथ क्यों बातचीत कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा है कि सरकार को बच्चों के माता-पिता की बात सुननी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। जस्टिस अमीन ने कहा है कि आप हत्यारों को बातचीत के मेज पर ला चुके हैं। क्या हम दोषियों के साथ एक बार फिर साइन करने वाले हैं? बता दें कि 2014 में पेशावर स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकियों ने हमला कर दिया था। उस हमले में 147 लोगों की मौत हो गई थी। मारे गए कुल 147 लोगों में से 132 बच्चे थे।

मदद के नाम पर कर्ज के भंवर में फंसाने की चीनी फितरत पर भारत का तंज, यूएनएससी में कहा- हमारी सहायता किसी को कर्जदार नहीं बनाती

बीजिंग। (एजेंसी)।
चीन का पुराना फार्मूला है इन्वेस्टमेंट और व्यापार के लुभावने वादे। श्रीलंका हो या मालदीव पाकिस्तान हो या नेपाल, इन देशों में खूब इनवेस्ट करता है और तरक्की के सपने बेचता है और फिर इसी कर्ज की राह अपने सामरिक हित साधता है। भारत ने चीन के इसी पुराने फॉर्मूले पर निशाना साधा है। भारत ने चीन पर तीखा प्रहार करते हुए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से कहा कि किसी भी देश की सहायता कर उसे कर्जदार नहीं बनाया है। अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा की देखभाल = बहिष्करण, असमानता और संघर्ष विषय पर आयोजित खुली बहस के दौरान विदेश राज्य मंत्री डा.राजकुमार रंजन सिंह ने कहा कि भारत ने परिषद को सूचित किया कि उसने हमेशा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का सम्मान करते हुए अपने विकास साझेदारी प्रयासों के साथ दुनिया भर में वैश्विक एकजुटता को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। हालांकि, इसने कहा कि सहायता प्रदान करना ऋणग्रस्तता पैदा करने का कोई रूप नहीं था बल्कि दूसरों को बढ़ने में सहायता करना था।
विदेश राज्य मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश की नेबरहुड फर्स्ट नीति के तहत भारत के अफ्रीकी भागीदारों या किसी अन्य विकासशील देशों के साथ बेहतर संबंध उसी के प्रमाण थे। सिंह ने कहा, भारत ने हमेशा राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का सम्मान करते हुए विकास साझेदारी के प्रयासों के साथ वैश्विक एकजुटता को बढ़ावा देने का प्रयास किया है और यह सुनिश्चित किया है कि हमारी सहायता, सदैव मांग-संचालित बनी रहे, रोजगार सृजन एवं क्षमता निर्माण में योगदान करे और किसी को कर्जदार बनाने जैसी स्थिति पैदा नहीं करे। भारत ने सुरक्षा परिषद की सदस्यता में लगातार ÷बहिष्करण और असमानता÷ को संबोधित करने का आह्वान किया, यह सवाल करते हुए कि विकासशील दुनिया की सही आवाज़ों को कब तक नकारा जाएगा। भारत ने रेखांकित किया कि शांति, सुरक्षा और शांति निर्माण के लिए वैश्विक ढांचे में सुधार की जरूरत है।
गौरतलब है कि भारत की तरफ से अंतरराष्ट्रीय मंच पर बयान ऐसे समय में आया है जब चीन अपनी महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) परियोजनाओं का उपयोग करके कर्ज के जाल और क्षेत्रीय आधिपत्य पर वैश्विक चिंता पैदा की है। चीन एशिया से लेकर अफ्रीका और यूरोप तक के देशों में बुनियादी ढांचा

परियोजनाओं पर भारी रकम खर्च करता रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट की माने तो इसके तहत उसने सलाना 85 अरब डॉलर के करीब खर्च किए हैं। चीन की महत्वकांक्षा अब 42 देशों के लिए मुसबीत बनती जा रही है। अब इन देशों को चीन के 385 अरब डॉलर की चिंता सताने लगी है। एक स्टडी के अनुसार इन देशों पर चीन का कर्ज उनकी जीडीपी के 10प्र. से अधिक पहुंच गया है।

अफगानिस्तान पर जारी आतंकी हमलों से चिंतित है अमेरिका

नई दिल्ली (एजेंसी)।
अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट के आतंकी हमलों को लेकर अमेरिका चिंतित है साथ ही वहां मौजूद अल कायदा को लेकर गंभीर भी है। सोमवार को अफगानिस्तान के लिए अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि टॉम वेस्ट ने यह बात कही। ब्रुसेल्स से वेस्ट टेलीफोन पर मीडिया से बात कर रहे थे।
इस पद पर नियुक्त होने के बाद वेस्ट का यह पहला आन द रिकार्ड ब्रीफिंग था। कुछ ही दिनों में वेस्ट पाकिस्तान, भारत और रूस जाने वाले हैं। उन्होंने बताया कि तालिबान के साथ दोहा में अगले दौर की वार्ता के लिए अमेरिका तैयारी कर रहा है, लेकिन इसके लिए उन्होंने कोई निश्चित तारीख नहीं दी।

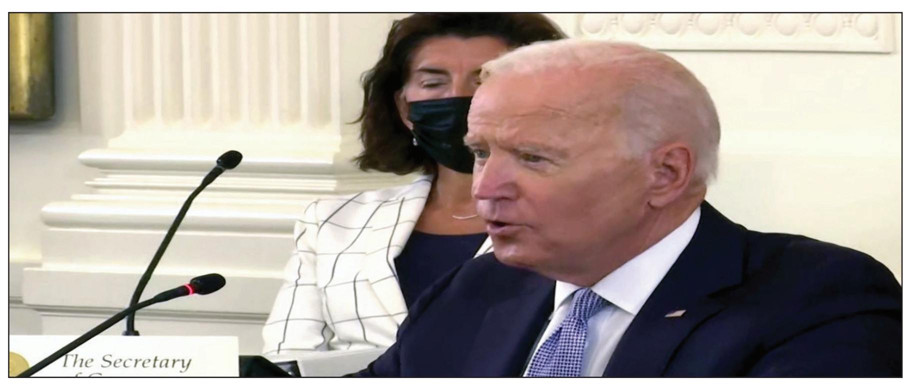

अफगानिस्तान में जारी गतिरोध पर क्या है अमेरिका का रुख

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने रविवार को कहा कि अमेरिका अभी तक अफगानिस्तान में इस्लामिक अमीरात को वित्तीय सहायता देने के लिए तैयार नहीं है। यह सहायता तब तक नहीं मिलेगी कि जबतक वे समावेशी सरकार, महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और किसी भी आतंकवादी संगठन द्वारा अफगान धरती को फिर से इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देने जैसी अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं करते हैं। तालिबान ने अमेरिका से अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक के भंडार पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की।

पहली बार आमने सामने आए अमेरिका और तालिबान

बता दें कि 15 अगस्त को अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद पहली बार दोहा में पिछले माह अमेरिका और तालिबान आमने-सामने थे। तालिबान सरकार के प्रतिनिधियों के साथ अमेरिकी अधिकारियों ने पहली फेस-टू-फेस मीटिंग की। अमेरिका का कहना है कि अब तालिबान के एक्शन को लेकर ही उस पर कोई फैसला लिया जाएगा और उसके शब्दों पर जरा भी भरोसा नहीं किया जाएगा। पहली मीटिंग के दौरान तालिबान ने अफगानिस्तान में इस्लामिक स्टेट को काबू में करने के लिए अमेरिका के साथ सहयोग की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया।
अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने इस बैठक के बारे में बताया कि मीटिंग में सुरक्षा और आतंकवाद के अलावा अमेरिकी नागरिकों को सुरक्षित रास्ता मुहैया कराने पर भी चर्चा हुई। साथ ही विदेशी नागरिकों और अफगान नागरिकों, मानवाधिकार और महिलाओं-लड़कियों की अफगान समाज में सुरक्षित और पूर्ण भागीदारी भी इस मीटिंग के केंद्र बिंदु थे। इसके अलावा बैठक में दोनों पक्षों ने अफगान नागरिकों को मिल रही मानवीय मदद पर भी बात की।

यूरोप में वर्षा कोरोना का कहर, एक हफ्ते में 18 लाख मरीज, 24 हजार मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)।
पिछले दो साल से पूरी दुनिया में तहलका मचा रहा कोरोना वापस यूरोप में आ गया है। बढ़ती रुग्णता और मृत्यु दर यूरोप के लिए चिंता का विषय है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी दी है कि फरवरी 2022 तक यूरोप और मध्य एशिया में और 50 लाख लोग मारे जा सकते हैं। ऐसे में एक बार फिर यूरोप कोरोना हॉटस्पॉट बनने की ओर अग्रसर है। वर्तमान में कई क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण में वृद्धि हुई है।
यूरोप में विश्व स्वास्थ्य संगठन के निदेशक हैंस क्लुज ने कहा कि यूरोप सहित 53 मध्य एशियाई देशों में स्थिति 'चिंताजनक' है। संक्रमण की मौजूदा दर और मृत्यु दर को देखते हुए अगले साल फरवरी तक 5 लाख लोगों तक की स्थिति बनी रह सकती है. पिछले एक हफ्ते में 53 देशों में कोरोना के लिए अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या दोगुनी हो गई है।
क्लुज के मुताबिक, इस हफ्ते यूरोप में 18 लाख नए मामले सामने आए हैं। यह पिछले साल की तुलना में छह फीसदी ज्यादा है। कोरोना ने एक हफ्ते में 24,000 से ज्यादा लोगों की जान ले ली है। मरने वालों की संख्या पिछले साल की तुलना में 12 फीसदी ज्यादा है। यूरोप में लगातार पांच हफ्तों से कोरोना मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है. वर्तमान में प्रति 1 लाख लोगों पर 192 मरीज मिल रहे हैं। जर्मनी में गुरुवार को सबसे ज्यादा 33,949 नए मामले सामने आए। शुक्रवार को नए मरीजों के मामले में पिछले साल के उच्चतम स्तर को पार कर गया। जर्मनी में शुक्रवार को 37 हजार नए मरीज मिले। स्वास्थ्य मंत्री जेन्स स्पैन ने कहा कि जिन लोगों को कोरोना का टीका नहीं लगाया गया है, उनमें कोरोना के मामले अधिक हैं।

अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान 10 नवंबर से पाकिस्तान का दौरा करेंगे

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।
अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी बुधवार से पाकिस्तान का दौरा करेंगे। दोनों देशों के बीच संबंधों को फिर से स्थापित करने के प्रयासों के तहत यह यात्रा होगी। मंगलवार को मंत्री के दौरे की घोषणा की गई। विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि यह यात्रा विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी की 21 अक्टूबर को काबुल की यात्रा के बाद हो रही है और पाकिस्तान एक शांतिपूर्ण, स्थिर, संप्रभु, समृद्ध अफगानिस्तान का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।
विदेश कार्यालय ने कहा है कि मुत्तकी 10-12 नवंबर तक पाकिस्तान में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बयान में कहा गया, ''वार्ता में पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ व्यापार में वृद्धि, सीमा पार व्यापार की सुविधा, सीमा पार आवाजाही, भूमि और विमानन क्षेत्र, लोगों के आपसी संपर्क और क्षेत्रीय संपर्क पर केंद्रित होंगे।''
स्थिति को देखते हुए पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अफगान लोगों की पीड़ा को कम करने के लिए तत्काल मानवीय सहायता और आर्थिक सहायता प्रदान करने का आग्रह करता रहा है। विदेश कार्यालय ने कहा है कि अपनी तरफ से पाकिस्तान, अफगानिस्तान के लोगों को मानवीय और आर्थिक सहायता प्रदान कर रहा है।

महिलाओं की शिक्षा के लिए आवाज उठाने वाली मलाला यूसुफजई विवाह बंधन में बंधी, साझा की तस्वीरें

लंदन। (एजेंसी)।
मलाला यूसुफजई ने तालिबान के खिलाफ खड़े होने के लिए अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की। तालिबानी हमेशा से लड़कियों की शिक्षा के विरोध में थे। वह 2012 में तालिबान बंदूकधारी द्वारा सिर में गोली मारे जाने से बच गईं। 2014 में यूसुफजई नोबेल शांति पुरस्कार प्राप्त करने वाली सबसे कम उम्र की व्यक्ति बनीं।
मलाला यूसुफजई को मलाला के नाम से जाना जाता है, वह महिला शिक्षा के लिए एक पाकिस्तानी कार्यकर्ता और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता है। हाल ही में मलाला ने भारत के किसान आंदोलन को लेकर भी सोशल मीडिया पर बात की थी। शिक्षा के लिए आवाज उठाने वाली मलाला यूसुफजई विवाह बंधन में बंध गई हैं और उन्होंने मंगलवार को ट्वीट करके यह जानकारी दी।

मलाला यूसुफजई ने कर ली शादी

नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने ट्वीट किया, ''आज मेरी जिंदगी का बेहद अनमोल दिन है। मैं और असर जीवनभर के साथी बन गए हैं। हमने अपने परिवारों की मौजूदगी में बर्मिंघम में निकाह किया। हमें आशीर्वाद दीजिए। हम आगे का रास्ता साथ मिलकर तय करने के लिए उत्साहित हैं।'' उन्होंने असर मलिक और परिवार के साथ निकाह की कुछ तस्वीरें भी ट्विटर पर साझा कीं।

कौन है मलाला का पति?

यूसुफजई ने अपने पति के बारे में अपने पहले नाम के अलावा और कोई जानकारी नहीं दी। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने उनकी पहचान लाहौर शहर के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के हाई परफॉर्मेंस सेंटर के महाप्रबंधक असर मलिक के रूप में की है।
गौरतलब है कि पाकिस्तान की मानवाधिकार कार्यकर्ता यूसुफजई को लड़कियों की शिक्षा के लिए बिना किसी खौफ के आवाज उठाने के लिए स्वात घाटी में 2012 में तालिबानी आतंकवादियों ने उस वक्त गोलियां मारी थीं, जब वह स्कूल से घर लौट रही थीं। बेहतर इलाज के लिए यूसुफजई को इंग्लैंड के शहर बर्मिंघम लाया गया था। ठीक होने के बाद यूसुफजई ने फिर से स्कूल जाना शुरू किया और जून 2020 में उन्होंने ऑक्सफोर्ड से स्नातक किया। इस दौरान भी वह लड़कियों की शिक्षा और उनकी बेहतरी के लिए आवाज उठाती रहीं। यूसुफजई के विवाह की जानकारी मिलने पर लोग उन्हें बधाई और शुभकामना संदेश भेज रहे हैं।

दलाई लामा से बातचीत को राजी हुआ चीन, कहा- तिब्बत नहीं इस मसले पर करेंगे वार्ता

बीजिंग (एजेंसी)।
चीन ने कहा है कि वह आध्यात्मिक नेता और तिब्बती बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा के साथ उनके भविष्य को लेकर बातचीत करने को तैयार है। लेकिन इस बातचीत में तिब्बत संबंधित कोई बातचीत नहीं होगी।
दलाई लामा ने 10 अक्टूबर को कहा है कि वह भारत में शांति से रहना पसंद करते हैं। उन्होंने भारत के तारीफ में कहा है कि देश में धार्मिक सद्भाव है। उन्होंने कहा है कि चीनी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मिलने की कोई विशेष योजना नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा है कि वह वापस तिब्बत जाना चाहते हैं, अपने पुराने दोस्तों से मिलना चाहते हैं।
दलाई लामा ने शी जिनपिंग के तीसरे कार्यकाल को लेकर किसी भी तरह के कमेंट करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा है कि चीनी कम्युनिस्ट नेता विभिन्न संस्कृतियों की विविधता को नहीं समझते हैं। वास्तविकता ये है कि बहुत ज्यादा कंट्रोल लोगों को नुकसान पहुंचाएगा।
मामले को लेकर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा है कि बीजिंग तिब्बती आध्यात्मिक नेता के साथ बातचीत के लिए तैयार है। चीन 14वें दलाई लामा के साथ मसलों पर बातचीत को तैयार है। संवाद का रास्ता खुला हुआ है। तिब्बत के अलावा हम सभी मसलों पर बातचीत को तैयार हैं।
वांग ने आगे कहा है कि दलाई लामा को अलगाववादी गतिविधियों को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्हें चीनी लोगों का भरोसा जीतने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने निर्वासित तिब्बती सरकार को लेकर कहा है कि यह एक बाहरी अलगाववादी राजनीतिक समूह है। यह चीन के कानून और संविधान के खिलाफ है। यह एक अवैध संगठन है। दुनिया का कोई देश इस सरकार को मान्यता नहीं देता है। बता दें कि दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर बवाल जारी है। चीन ने कहा है कि नए दलाई लामा का अनुमोदन चीनी सरकार करेगी लेकर तिब्बती लोगों ने चीन की इस बात को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि दलाई लामा ही अपने उत्तराधिकारी का चयन करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सांसद कोली के घर धमकी भरा पत्र भेजने के मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने भरतपुर से सांसद रंजीता कोली के घर पर मंगलवार की रात धमकी भरा पत्र भेजने के मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया है। पुलिस महानिदेशक एम एल लाठर ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए विशेष अभियान दल के अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के नेतृत्व में जांच दल गठित किया गया है। इस प्रकरण में बयाना पुलिस थाने में हथियार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सांसद रंजीता कोली से फोन पर बात कर उनकी कुशलक्षेम जानी। गहलोत ने ट्वीट किया, '' डीजीपी, प्रमुख सचिव, गृह विभाग को निर्देशित किया है कि घटना की पूरी जांच कर सख्त कार्रवाई की जाए। जयपुर से एसओजी की टीम भरतपुर जाकर घटना की जांच करेगी।

दिल्ली के सिंघू बॉर्डर पर फंदे से लटका मिला किसान का शव, आत्महत्या की आशंका

चंडीगढ़। केन्द्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन में हिस्सा ले रहे पंजाब के एक 45 वर्षीय किसान ने सिंघू बॉर्डर के पास कथित तौर पर पेड़ से लटक कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बुधवार को बताया कि किसान की पहचान गुरप्रीत सिंह के तौर पर हुई है, जो फतेहगढ़ साहेब जिले का निवासी था। कुंडली थाने के एक अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत के एक स्थानीय अस्पताल भेजा गया है। गौरतलब है कि किसानों के अनेक संगठन 'कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार कानून, 2020', 'कृषक उत्पाद व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सरलीकरण) कानून, 2020' और 'आवश्यक वस्तु (संशोधन) कानून' को वापस लेने की मांग को लेकर नवंबर 2020 से दिल्ली से लगी सीमाओं पर आंदोलन कर रहे हैं। किसानों को भय है कि इससे न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) प्रणाली खत्म हो जाएगी, जबकि सरकार इन कानूनों को प्रमुख कृषि सुधारों के रूप में पेश कर रही है। दोनों पक्षों के बीच 11 दौर से अधिक की बातचीत हो चुकी है,लेकिन इनका कोई नतीजा नहीं निकला है।

राजस्थान के बाड़मेर भीषण सड़क हादसा, ट्रक से टक्कर के बाद बस में लगी आग, 12 यात्री जिंदा जले

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में पचपदरा के पास एक यात्री बस और एक ट्रक की टक्कर में 12 लोगों की मौत हो गयी और कई लोग घायल हो गये। सीएम अशोक गहलोत ने जिला कलेक्टर को राहत एवं बचाव कार्यों के संबंध में निर्देश, घायलों का इलाज सुनिश्चित करने को कहा है। इंडिया टूडे पर छपी खबर के अनुसार ने बताया कि राजस्थान के बाड़मेर में एक टैंकर ट्रेलर बस की टक्कर के बाद एक निजी बस में आग लगने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। घटना बुधवार को बाड़मेर-जोधपुर हाईवे पर हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बस में करीब 25 लोग सवार थे। पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। बचाव कर्मियों ने अब तक दुर्घटनास्थल से 10 शव निकाले हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जिला कलेक्टर को घायलों का इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। एक यात्री के मुताबिक बस सुबह 9ः55 बजे बालोतरा से निकली और सड़क के गलत साइड से आ रहे टैंकर के बस से टकरा जाने से हादसा हुआ। टक्कर के बाद बस में आग लग गई। दुर्घटना के वक्त बस में 25 लोग सवार थे। अब तक 10 लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। हादसे के बाद जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। दुर्घटनास्थल पर पचपदरा विधायक मदन प्रजापत और राज्य के पर्यावरण एवं वन मंत्री सुखराम बिश्नोई भी मौजूद थे। बचाव कार्य जारी है। हादसे की वजह से हाईवे पर भीषण जाम लग गया।

साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने जताई आजान पर आपत्ति, कहा – सुबह सुबह होती है इससे लोगों की नींद खराब

भोपाल। राजधानी भोपाल की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर अक्सर अपने विवादित बयानों के लिए चर्चा में रहती हैं। प्रज्ञा ठाकुर एक बार फिर एक बयान को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बार प्रज्ञा ठाकुर ने सुबह मस्जिदों से होने वाली अजान पर आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ये सुबह-सुबह लोगों की नींद हराम करते हैं। मरीजों का ख्याल नहीं रखते और साधू-संतों की साधना भी भंग कर देते हैं। उन्होंने कहा कि हम लोगों से कहा जाता है कि दूसरे समुदाय की प्रार्थना के वक्त तेज आवाज में भजन न बजाएं जाएं लेकिन ये लोग रोज सुबह लाउड स्पीकर से लोगों को परेशान करते हैं। सुबह 5 बजकर कुछ मिनट पर तेज-तेज आवाजें आती हैं और लोगों की नींद हराम होती है, मरीजों को दिक्कत होती है।

योगी आदित्यनाथ ने की कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के प्रारंभिक चरण के 'ट्रायल रन' की शुरुआत

कानपुर (उत्तर प्रदेश)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के प्रारंभिक चरण के 'ट्रायल रन' की शुरुआत की और संकेत दिया कि इसके वाणिज्यिक संचालन की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। मुख्यमंत्री ने आईआईटी-कानपुर से मोतीझील के बीच मेट्रो ट्रेन के ट्रायल रन की शुरुआत के अवसर पर अपने संबोधन में कहा, ''अगले चार से छह सप्ताह के अंदर मेट्रो 'ट्रायल रन' की पूरी कार्रवाई संपन्न होने की उम्मीद है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से हम मेट्रो की सेवा कानपुर वासियों को उपलब्ध करा सकेंगे।'' उन्होंने कहा, ''कानपुर वासियों को मैं इसके लिए अग्रिम बधाई देता हूं।

चार धाम प्रोजेक्ट की सुनवाई के दौरान क्यों आया 1962 की जंग का जिक्र, सुप्रिम कोर्ट ने कहा- राष्ट्र की सुरक्षा प्राथमिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। चारधाम परियोजना के लिए सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा प्राथमिकता है और सुरक्षा को अपग्रेड करने की जरूरत है। विशेष रूप से हाल के दिनों में बॉर्डर की घटनाओं को देखते हुए रक्षा से जुड़ी चिंताओं को छोड़ा नहीं जा सकता। पहाड़ों पर सड़क चौड़ीकरण के खिलाफ दायर अर्जी की सुनवाई करते हुए जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हम नहीं चाहते कि भारतीय सैनिक 1962 के हालात में हो लेकिन रक्षा और पर्यावरण दोनों की जरूरतें संतुलित होनी चाहिए। वहीं केंद्र ने सड़क चौरी करने की मांग करते हुए कहा गया कि चीन द्वारा दूसरी तरफ जबरदस्त निर्माण किया गया है।

1962 जैसी स्थिति से बचने के लिए सड़कों का चौड़ीकरण जरूरी

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने कहा कि 1962 जैसी स्थिति से बचने के लिए सीमा पर सेना को सड़कों की जरूरत है। टैंक, रॉकेट लॉन्चर और तोप ले जाने वाले ट्रकों को इन सड़कों से गुजरना पड़ सकता है। इसलिए रक्षा की दृष्टि से सड़क की चौराई 10 मीटर की जानी चाहिए। केंद्र ने कोर्ट को बताया कि ऋषिकेश से गंगोत्री, ऋषिकेश से माना और तनकपुर से पिथौरागढ़ जैसी सड़कें जो देहरादून और मेरठ के आर्मी कैंप को चीन की सीमा से जोड़ती है। इन कैंपों में मिसाइल लॉन्चर और हेवी आर्टिलरी मौजूद हैं। केंद्र सरकार ने कहा कि आर्मी को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने की जरूरत है।

एनजीओ ने दायर की याचिका

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में एक एनजीओ ने चार धाम सड़क चौड़ीकरण योजना को मिली वाइल्ड लाइफ मंजूरी के खिलाफ अपील की है। याचिका में कहा गया है कि इस परियोजना से बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई होगी और पर्यावरण को भारी नुकसान होगा। एनजीओ की ओर से पेश वकील कॉलिन गोंजाल्विस ने कहा, 'सेना ने कभी नहीं कहा कि हमें चौड़ी सड़कें चाहिए। राजनीतिक सत्ता में किसी उच्च व्यक्ति ने कहा कि हम चार धाम यात्रा पर हाइवे चाहते हैं और सेना अनिच्छा से उनके साथ चली गई।

सुप्रीम कोर्ट ने कही अहम बात

सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि ये सवाल विचार योग्य है कि कोई संवैधानिक अदालत देश की सुरक्षा को प्रभाव डालने वाले मामले में पर्यावरण संबंधी मुद्दों के आधार पर कितना दखल दे सकती है? कोर्ट ने कहा कि क्या हमे ये कहना चाहिए कि देश की सुरक्षा से ज्यादा पर्यावरण के मुद्दे को तरजीह देनी चाहिए।

यमुना की सफाई के लिए दिया गया सारा धन कहां गया ? केंद्रीय मंत्री शेखावत ने केजरीवाल सरकार से पूछा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में छठ पूजा और यमुना नदी में प्रदूषण को लेकर सियासत गर्मा गई है। इसी बीच केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने केजरीवाल सरकार को श्रद्धालुओं को हो रही परेशानी के लिए दोषी ठहराया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूरा किया है। दरअसल, छठ पूजा के पहले दिन सोमवार को यमुना में विषैले सफेद फोम के बीच खड़े होकर पूजा करते श्रद्धालुओं की तस्वीरें और वीडियो सामने आई। जिसके बाद सियासत गर्मा गई और एक-दूसरे पर आरोप लगाने का सिलसिला शुरू हो गया।

केंद्र सरकार ने समय पर रिलीज किया फंड

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने एक ट्वीट में लिखा कि दिल्ली में यमुना के प्रदूषित होने से छठ मना रहे श्रद्धालुओं को हो रही परेशानी के लिए केजरीवाल सरकार दोषी है। केंद्र सरकार ने अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूरा किया। उन्होंने कहा कि समय पर फंड रिलीज़ किए लेकिन दिल्ली की सरकार जनता से किए अपने वादे से मुकरने के बहाने ढूंढती रही। एनजीटी के आदेश की अवहेलना की। नतीजा सबके सामने है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल जी आरोपों की राजनीति के स्थान पर यमुना सफाई परियोजना पर ध्यान लगाएं जिससे आने वाले वर्षों में छठव्रतियों को कष्ट न झेलना पड़े।

आपको बता दें कि केंद्रीय मंत्री शेखावत ने जुलाई में एक पत्र लिखकर केजरीवाल सरकार पर नाराजगी जताई थी। इस पत्र में उन्होंने लिखा था कि यमुना नदी जब दिल्ली से गुजरती है तो इसके पानी में प्रदूषण का जहर सबसे ज्यादा घुल जाता है। दिल्ली में यमुना 22 किमी का सफर तय करती है और इस दरम्यान इस महानगर के 18 बड़े नालों से यहां के सीवर का गंदा पानी और औद्योगिक कचरा इस नदीं में आकर गिरता है।

उन्होंने आगे लिखा था कि दिल्ली में यमुना की बुरी स्थिति के मद्देनजर केंद्र सरकार ने दिल्ली सरकार को वित्तीय मदद उपलब्ध कराई है। नमामि गंगे परियोजना के तहत केंद्र सरकार ने 13 परियोजनाओं के लिए 2419 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता दिल्ली सरकार को प्रदान की।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने पुराने पत्र के माध्यम से केजरीवाल सरकार से नया सवाल पूछा है। उन्होंने कहा कि सफाई के लिए जारी किया गया सारा पैसा कहां गया? क्या अरविंद केजरीवाल ने सारा पैसा सिर्फ खुद को बढ़ावा देने के लिए और विज्ञापन लगाने में खर्च कर दिया है ? उन्होंने कहा कि सफाई की तो बात ही छोड़िए, यमुना पहले से ज्यादा गंदी है।

नरेंद्र गिरी हत्याकांड में सीबीआई को किया जा रहा गुमराह: महास्वामी धर्मदत्त महाराज

वाराणसी।(एजेंसी)। वाराणसी के रथयात्रा स्थित एक रेस्टोरेंट में विश्व गुरु भारत परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष महास्वामी धर्मदत्त महाराज ने प्रेस वार्ता कर पत्रकारों को बातचीत में बताया कि निरंजनी अखाड़े के पूर्व सचिव एवं अखाड़ा परिषद के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र गिरी हत्याकांड में सीबीआई घटना का पर्दाफाश करने मे विफल रही है। उन्होंने बताया कि साधु संत समाज के कुछ लोग सीबीआई को गुमराह करने में लगे है । वर्तमान में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष बने निरंजनी अखाड़ा के राष्ट्रीय सचिव रविंद्र पुरी और अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाश चंद्र गिरी की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। रविंद्रपुरी बहुत दिनों से नरेंद्र गिरी को निरंजनी अखाड़ा से निष्कासित करना चाहते थे और उनकी संपत्ति पर कब्जा करना ही चाहते थे, इसके साथ ही वह अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष भी बनना चाहते थे।

धर्मदत्त जी महाराज ने वाराणसी के एक संत के ऊपर गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि जो अपने आप को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के धर्मगुरु बताते हैं। नरेंद्र गिरी हत्याकांड के संदिग्ध आरोपी आनंद गिरि, कैलाश चंद्र ब्रह्मचारी के ही आश्रम में रहकर रविंद्रपुरी के मिलीभगत से नरेंद्र गिरी हत्या कांड की साजिश करते है। इसके साथ ही इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि नरेंद्र गिरी और निरंजन अखाड़े की संपत्ति जो अखाड़े के निजी संपत्ति थी। उसकी बिक्री और उस बिक्री से मिले पैसे को बिल्कुल भी नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए और हम सरकार से इस बात कि भी मांग करते है कि इस मामले में सीबीआई जांच निष्पक्ष होना चाहिए।

लखनऊ में 22 नवंबर को होगी किसान महापंचायत, पूर्वांचल में भी तेज होगा आंदोलन: राकेश टिकैत

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ। केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का विरोध प्रदर्शन करीब एक साल से जारी है। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल क्षेत्र में कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध तेज किया जाएगा। इतना ही नहीं 26 नवंबर को किसान आंदोलन के एक साल पूरे हाने वाले हैं और इससे 4 दिन पहले उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में किसान महापंचायत का आयोजन किया जाएगा।

एसकेएम कर रहा आंदोलन का नेतृत्व

किसानों के करीब 40 संगठन कृषि कानूनों का पुरजोर तरीके से विरोध कर रहे हैं और इन्हीं संगठनों से मिलकर संयुक्त किसान मोर्चा बना है। जिसका भारतीय किसान यूनियन भी एक हिस्सा है। साल 2020 से संयुक्त किसान मोर्चा विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहा है और इसके एक साल पूरे होने वाले हैं।

किसान नेता राकेश टिकैत ने मंगलवार को ट्वीट किया कि लखनऊ में 22 नवंबर को आयोजित होने वाली किसान महापंचायत ऐतिहासिक होगी। संयुक्त किसान मोर्चा की यह महापंचायत किसान विरोधी सरकार और तीनों काले कानूनों के विरोध में ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। अब पूर्वांचल में भी और अन्नदाता का आंदोलन तेज होगा।

भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा ने यमुना घाट पर छठ पूजा समारोह में लोगों को आमंत्रित किया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद प्रवेश वर्मा ने आईटीओ के पास यमुना घाट पर छठ पूजा समारोह के आयोजन पर जोर दिया और बुधवार को वहां पहुंचकर लोगों को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। वर्मा ने कहा कि वह शाम को छठ पूजा शांतिपूर्ण तरीके से शुरू होने तक वहीं रहेंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्हें पूर्वांचल के लोगों के धार्मिक अनुष्ठानों की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा, ''केजरीवाल सरकार हमें यमुना के किनारे छठ पूजा आयोजन की अनुमति नहीं दे रही है। मैं सभी माताओं और बहनों से यहां आने और छठ मनाने की अपील कर रहा हूं और हम उन्हें सुरक्षा मुहैया कराएंगे।''

वर्मा ने मीडियाकर्मियों से कहा, ''यह मेरी समझ से परे है कि लोगों को वहां छठ मनाने से क्यों रोका जा रहा है, जबकि वे सभी कोविड प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं।'' दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने 30 सितंबर को अपने आदेश में यमुना किनारे सहित सार्वजनिक स्थानों पर छठ पूजा समारोह के आयोजनों पर रोक लगा दी थी। हालांकि, भाजपा द्वारा प्रतिबंध के विरोध के बाद, डीडीएमए ने 29 अक्टूबर को अपने आदेश में यमुना के किनारे को छोड़कर ''निर्धारित स्थलों'' पर छठ समारोह मनाने की अनुमति दे दी थी।

डीडीएमए ने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को कोविड से संबंधित अपने सभी आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। पश्चिम दिल्ली के सांसद वर्मा भाजपा कार्यकर्ताओं और 'पूर्वांचली' समुदाय के सदस्यों के साथ, एक 'पूजा' में शामिल हुए थे और सोमवार से शुरू होने वाले उत्सव की तैयारियां शुरू कर दी थी।

कश्मीर में आम नागरिकों की टार्गेट किलिंग रोकेगा और आतंकियों को सबक सिखायेगा केंद्र का बड़ा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर में आम नागरिकों की लक्षित हत्याओं की आतंकी घटनाओं में वृद्धि के चलते केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के 5,500 से अधिक अतिरिक्त जवानों को घाटी में भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा को चाक चौबंद करने और जमीन पर बलों की तैनाती दिखने की रणनीति के तहत सीएपीएफ की नयी कंपनियां घाटी भेजी गई हैं। अधिकारियों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले महीने निर्देश दिया था कि आम नागरिकों की लक्षित हत्याओं के मद्देनजर केंद्रीय बलों की लगभग 55 नयी कंपनी कश्मीर घाटी में तैनात की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कवायद की अंतिम पांच कंपनी अगले सप्ताह तक तैनात हो जाएंगी।

इनमें से 25 कंपनियां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की हैं और शेष सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की हैं। सीएपीएफ की एक कंपनी में लगभग 100 कर्मी होते हैं। सीआरपीएफ को जम्मू कश्मीर में कानून और व्यवस्था तथा आतंकवाद रोधी दायित्व के लिए व्यापक रूप से तैनात किया गया है जिसकी लगभग 60 बटालियन (प्रत्येक में लगभग 1,000 कर्मी) कश्मीर में ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर और घाटी के अन्य हिस्सों में नियमित तैनाती के रूप में हैं। बीएसएफ सेना की अभियानगत कमान के तहत भारत-पाकिस्तान के बीच नियंत्रण रेखा की रक्षा करती है और इसकी कुछ इकाइयाँ नगरों में भी कानून-व्यवस्था संबंधी दायित्व के लिए तैनात हैं। घाटी में नए बंकर स्थापित किए गए हैं और लोगों की तलाशी बढ़ा दी गई है तथा केंद्रीय और राज्य पुलिस के कर्मी लगातार वाहनों की जांच कर रहे हैं। यहां तक कि लाल चौक के आसपास के इलाकों में महिलाओं की तलाशी के लिए सीआरपीएफ की महिला जवानों को भी तैनात किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में आम नागरिकों को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी में एक अक्टूबर से अब तक कम से कम 14 लोगों की जान जा चुकी है। मारे गए लोगों में से पांच बिहार के मजदूर थे, जबकि दो शिक्षकों सहित तीन लोग कश्मीर के हिन्दू-सिख समुदाय से थे।

इस बीच, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को केंद्रशासित प्रदेश में सुरक्षा हालात का जायजा लिया जिसके बाद वह दिल्ली के लिए रवाना हो गये जहां उन्हें एक अहम बैठक में हिस्सा लेना है। सूत्रों ने बताया कि उपराज्यपाल ने सुरक्षा हालात की समीक्षा के लिए बैठक की अध्यक्षता की। इसमें पुलिस, सेना, अर्धसैनिक बल और खुफिया एजेंसियों के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। बैठक में हत्या की हालिया घटनाओं पर भी चर्चा हुई।

दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर को 'यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (यूसीसीएन)' में शामिल किये जाने से शहर में खुशी का माहौल है। प्रभासाक्षी संवाददाता ने इस मुद्दे पर शहर के प्रतिष्ठित लोगों और अधिकारियों से बातचीत की। यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क में शामिल किये जाने पर श्रीनगर के लोगों ने कहा है कि यहां की कला और हस्तशिल्प को मान्यता अथक प्रयासों का नतीजा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)